in paragraph 20 in her Address about issues as follows: "It is the continuous endeavour of the Government to provide right opportunities to the youth of the country to demonstrate their talent. Whether it is competitive examinations or Government recruitment, there should be no reason for any hindrance. This process requires complete transparency and probity. Regarding the recent instances of paper leaks in some examinations, my Government is committed to a fair investigation and ensuring strict punishment to the culprits. Even earlier, we have witnessed many instances of paper leaks in different States. It is important that we rise above party politics and undertake concrete measures nationwide. The Parliament has also enacted a strict law against unfair means in examinations. My Government is working towards major reforms in examination-related bodies, their functioning and all aspects of the examination process"

Under these circumstances, as the issue can be deliberated during the discussion on the Address of the hon. President to both the Houses of Parliament, I cannot persuade myself to accord acceptance to these notices.

Now, further discussion on the Motion moved by Dr. Sudhanshu Trivedi on the 28th June, 2024. On 28th June, 2024, Shri Brij Lal had concluded his speech while participating in the discussion. I now call upon the Members whose names have been received for participation in the discussion. Hon. Leader of the Opposition, Shri Mallikarjun Kharge.

#MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS- *Contd.*

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): सर, पहले तो मैं आपसे माफी चाहता हूँ कि मेरे पैर में थोड़ा दर्द होने की वजह से मैं ज्यादा देर तक खड़ा नहीं रह सकता।

MR. CHAIRMAN: You may address while sitting, if you want.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: If there is permission, I will sit down.

MR. CHAIRMAN: We have to ensure that you are comfortable while addressing the House. If the physical disability or pain is of that extent, if you are unable to stand, you may take your own call. You may take your own call.

Discussion continued from 28.06.2024.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : सर, बैठ कर बोलने में उतना..

श्री सभापति: उतना जज्बा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... तो खरगे जी, इस मामले में मैंने आपकी मदद की है, आपका जज्बा कायम रखा है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: हाँ, कभी-कभी आप ऐसी मदद करते रहते हैं, हम भी याद करते रहते हैं। ...(**व्यवधान**)... सर, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का मौका देने के लिए, आपकी उदारता के लिए मैं आपका आभारी हूँ। ...(**व्यवधान**)... आप क्यों हँस रहे हैं? ऐसा ही करके लोग मुझे * करते हैं। ...(**व्यवधान**)... *...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : इसको डिलीट कर देंगे ... ...(**व्यवधान**)... This is deleted.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: राष्ट्रपति जी संसद का सबसे अहम हिस्सा हैं। हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। अभिभाषण का content सरकारी होता है। सरकारी पक्ष को इसे vision statement बनाना था। चुनौतियों से कैसे निपटेंगे, यह बताना जरूरी था, लेकिन उसमें ऐसा कोई content नहीं है।

इस साल राष्ट्रपति जी का पहला अभिभाषण 31 जनवरी को हुआ था और 27 जून को दूसरा अभिभाषण 18वीं लोक सभा के गठन के बाद हुआ। पहला अभिभाषण चुनावी था और दूसरा उसी की कॉपी जैसा है, वैसा ही है। इसमें न दिशा है और न कोई vision है। हमें भरोसा था कि राष्ट्रपति जी संविधान और लोकतंत्र की चुनौतियों पर कुछ बातें जरूर रखेंगी, सबसे कमजोर तबकों के लिए कुछ ठोस संदेश देंगी, लेकिन हमें घोर निराशा हुई कि इसमें गरीबों के लिए, दलितों के लिए, पिछड़ों के लिए और अल्पसंख्यकों के लिए कुछ भी नहीं है।

पिछली बार की ही तरह यह केवल तारीफ का पुल बाँधने वाला अभिभाषण है। इतनी तारीफ तो हमारे द्विवेदी साहब - मुझे कभी-कभी द्विवेदी, त्रिवेदी और चतुर्वेदी में कंफ्यूजन होता है, इसलिए माफ कीजिएगा, क्योंकि मैं दक्षिण से आता हूँ और मैं इन शब्दों से ज्यादा वाकिफ नहीं हूँ। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: We can have half-an-hour discussion on this if you want!

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Pardon me!

MR. CHAIRMAN: We can have half-an-hour discussion on this कि द्विवेदी, त्रिवेदी और चतुर्वेदी क्या हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: नहीं। द्विवेदी कहें, तो जिसने दो वेद पढ़े हैं, वह ऐसा पंडित है, इसीलिए उसको द्विवेदी बोलते हैं। ...(**व्यवधान**)... सॉरी, त्रिवेदी। इन्होंने तीन वेद पढ़े हैं। अब एक चतुर्वेदी

---

*Expunged as ordered by the Chair.

बचा है, जिसने चारों वेद पढ़े हैं। जब वे आएँगे, तो देखेंगे। ...(**व्यवधान**)...उन्होंने तो खूब तारीफ की और वे तारीफ के पुल बाँधने में बहुत माहिर हैं। इसके साथ ही उनको उर्दू भाषा से बहुत प्यार है, लेकिन वे उन लोगों से बहुत नफरत भी करते हैं। चूँकि उनका आरएसएस बैकग्राउंड नहीं है, लेकिन जब वे बीजेपी में आए, तब से आरएसएस की बहुत तारीफ करते रहते हैं, मोदी साहब की बार-बार तारीफ करते रहते हैं और सबसे ज्यादा पं. जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गाँधी जैसे लोगों को कंडेम भी करते हैं। मैंने उनकी बहुत-सी बातों को सुना है।...(**व्यवधान**)...

डा. सुधांशु त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश): सर...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Sudhanshuji, one minute. ...*(Interruptions)*..., Sudhanshuji, unless the LoP will yield, I cannot allow. ...*(Interruptions)*...It is for him to yield or not to yield. ...*(Interruptions)*... I will give him an opportunity. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, इसमें बुनियादी मुद्दों को नज़रअंदाज किया गया है और विफलताओं को छिपाने में यह सरकार पहले से ही माहिर है, इसलिए इन बातों को बार-बार कहना मुझे उचित भी नहीं लगता है। राष्ट्रपति जी ने कहा कि हम साथ मिल कर काम करें, यह सदी भारत की सदी है और आने वाला दौर भारत का है। इस भाव से कोई इन्कार नहीं कर सकता है, लेकिन 10 साल का हमारा तजुर्बा यह है कि ये बातें भाषण तक ही रही हैं, जमीन पर अमल नहीं हुईं, बल्कि उलटा हुआ। संविधान ने हमें एडल्ट फ्रैंचाइज़ का अधिकार दिया। इस बार चुनाव में 2019 से कम मतदान हुआ, पर गरीब ग्रामीण मतदाताओं ने अधिक उत्साह से इसमें भाग लिया। मैं सभी मतदाताओं को अपनी ओर से बधाई देता हूँ। उनको इसके लिए धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने गाँवों में बढ़-चढ़ कर वोटिंग की, लेकिन शहरों में जहाँ पढ़े-लिखे लोग हैं, पैसे वाले लोग हैं, उन लोगों ने इसमें बहुत कम भाग लिया।

सभापति जी, राष्ट्रपति जी ने मतदान के लिए विशेष संदेश जारी करके कहा था कि प्रजातंत्र में प्रजा ही मालिक है, सर्वोपरि है - मैं इससे सहमत हूँ कि राष्ट्रपति जी का यह जो संदेश है, यह ठीक है, लेकिन देश के इतिहास में यह पहला चुनाव है, जिसमें संविधान की रक्षा मुद्दा बना। बीजेपी ने 400 पार का नारा दिया, उनके कई नेताओं ने तो यहाँ तक कहा, दूसरे सदन में बहुत से नेताओं ने यह भी कहा कि बीजेपी संविधान बदलेगी। उन्होंने बार-बार यह बात कही और यहाँ तक कि शुरुआत में 2014 में तो *, जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं, मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता हूँ।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : खरगे जी, एक सेकंड, एक सेकंड...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, आप इसको निकाल दीजिए।...(**व्यवधान**)...

* Withdrawn by hon'ble Member.

श्री सभापति: माननीय खरगे जी, मेरा आपसे विशेष अनुरोध रहेगा क्योंकि आपका प्रतिपक्ष के सम्मानित नेता के अलावा भी बहुत बड़ा व्यक्तित्व है। आपने अभी जो कहा, आपने नाम भी ले लिया और कहा कि नाम नहीं लेना चाहता हूँ।...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैं इसको विद्ड्रॉ करता हूँ।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I think, it calls for regret. I express my regret that such an observation has been imparted in this august House. ...*(Interruptions)*... Please continue. ...*(Interruptions)*... Pramod Tiwariji, the hon. LoP himself has felt it. It is regrettable. I am using a mild word.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, उसने यह कहा कि बीजेपी संविधान बदलेगी। 'इंडिया' गठबंधन को इसी कारण से संविधान बचाने की मुहिम चलानी पड़ी। जनता ने यह महसूस किया कि बाकी मसले आते-जाते रहेंगे, पर संविधान बचेगा, तभी लोकतंत्र रहेगा और चुनाव भी होंगे तथा हम और आप यहाँ बैठेंगे। सभापति जी, इस लड़ाई में आम नागरिकों ने विपक्ष का साथ दिया। गरीबों, किसानों, मजदूरों, पीड़ित, शोषित, महिलाओं, युवाओं ने हमारा, सबका साथ दिया और डेमोक्रेसी को बचाने का उन्होंने बहुत बड़ा काम किया। सभापति जी, अभी भी सामाजिक न्याय के विपरीत मानसिकता वाले लोग मौजूद हैं। यह लड़ाई तभी पूरी होगी, जब ऐसी विचारधारा को उखाड़ फेंका जाएगा और इसके लिए हम सबको भी मेहनत करनी पड़ेगी।

सभापति जी, इस सत्र की एक खूबी यह है कि जनादेश के डर से सत्ता दल के लोग संविधान का जाप कर रहे हैं, पर संसद में ऐसे लोग भी हैं, जिनको "जय संविधान" नारे पर भी आपत्ति है। जिनको "जय संविधान" नारे पर भी आपत्ति है, ऐसे लोग भी इस सदन में हैं, ऐसी पार्टी भी इस सदन में है, इसीलिए संविधान की रक्षा का यह मसला अभी भी कायम है। भारत की जनता ने इनकी असली मंशा, सोच और इरादों को देख-परख लिया है, इसीलिए केवल संविधान माथे पर लगाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि इसके मूल्यों पर आपको चलकर दिखाना होगा, तभी आप कुछ काम कर सकते हैं।

सभापति जी, बीते एक दशक में संसदीय संस्थाओं, परम्पराओं को लगातार कमजोर किया गया है, विपक्ष को नजरअंदाज किया गया है। पार्लियामेंट में हमें अपनी बातें रखने के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ा और वह इसलिए, क्योंकि इनकी सोच में ऐसी संसद थी, जिसमें कोई विपक्ष न हो। अगर इनकी ऐसी सोच न होती, तो 17वीं लोक सभा में पहली बार डिप्टी स्पीकर का पद खाली नहीं होता। आज आप डेमोक्रेसी की बात करते हैं! संविधान में स्पीकर-डिप्टी स्पीकर और चेयरमैन-डिप्टी चेयरमैन का कानूनन प्रोविजन है, लेकिन आपने पाँच साल तक उस पोस्ट को खाली रखा। क्या यह डेमोक्रैटिक तरीका है? क्या यह आप संविधान के तहत चल रहे हो? ये बाहर तो यह कहते हैं कि संविधान के तहत हम सब काम करते हैं, लेकिन जब हम इनके काम देखते हैं तो ये उसके उलटा और विपरीत करते हैं।

चेयरमैन साहब, इसी राज्य सभा में प्रधान मंत्री जी ने छाती ठोक कर विपक्ष को ललकारते हुए कहा था कि "एक अकेला, सब पर भारी।" ...(**व्यवधान**)... लेकिन, मैं यह पूछना चाहता हूँ कि

एक अकेले पर आज कितने लोग भारी हैं? ...(**व्यवधान**)... आज एक अकेले पर लोक सभा में और यहाँ पर कितने लोग भारी हैं? ...(**व्यवधान**)... चुनावी नतीजे ने यह दिखा दिया है कि देश का संविधान और जनता सब पर भारी है। ...(**व्यवधान**)... देश का संविधान और जनता सब पर भारी है। सर, लोकतंत्र में * नारों की जगह नहीं है। ...(**व्यवधान**)... राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी, संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर और छत्रपति शिवाजी महाराज समेत 15 महान विभूतियों की मूर्तियों को उनकी अपनी जगह से हटाकर पीछे कोने में रख दिया गया। लाखों लोग आकर वहां श्रद्धांजली अर्पित करते थे, लेकिन आपने इस बात से डर कर कि वहां protest होते हैं, इसीलिए उन्हें वहां से हटाकर पीछे धकेल दिया। वे किसकी मूर्तियां हैं, जिस महात्मा गांधी जी ने आज़ादी दिलाई, जिन्होंने संविधान बनाया, उन डाक्टर बाबा साहेब अम्बेडकर, छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे लोगों को आपने पीछे हटा दिया, ताकि कोई उन्हें नहीं देखे। आप ऐसा करते हैं? उसके लिए हमने लड़ाई लड़ी। सर, मैं जब स्टूडेंट था, उस वक्त बाबा साहेब अम्बेडकर जी की मूर्ति को लगाने के लिए हम लड़े।

श्री सभापति: माननीय सदस्यगण ...(व्यवधान)... प्लीज़ बैठिए। Hon. Minister, please take your seat. प्रतिपक्ष के नेता।

श्री जयराम रमेश (कर्नाटक): सर, उन्हें बोलने दीजिए।

MR. CHAIRMAN: Mr. Jairam Ramesh, how many times I will have to tell you....(*Interruptions*)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात): †

MR.CHAIRMAN: Please,...(*Interruptions*)... No....(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. आप देखिए, एक माननीय सदस्य चेयरमैन को कहता है कि यह कोई तरीका है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं? ...(*Interruptions*)... Now, the Leader of the Opposition, a very senior politician, yielded to see what the Chairman has to say, but his Members are up on their seats! ...(*Interruptions*)... Please take your seats. ...(*Interruptions*)... Hon. Members,...(*Interruptions*).. Mr. Shaktisinh.

---

* Expunged as ordered by the Chair.

† Not recorded.

SHRI SHAKTISINH GOHIL: Yes Sir.

MR. CHAIRMAN: I may have to…

SHRI SHAKTISINH GOHIL: Sir, † …(*Interruptions*)…

MR. CHAIRMAN: I may have to name you. I may have to name you. Your senior leaders are present here. The LoP, in his wisdom, has yielded to see what the Chairman has to say.

SHRI JAIRAM RAMESH: †

MR. CHAIRMAN: You don't allow Chairman to say!

SHRI JAIRAM RAMESH: †

MR. CHAIRMAN: What kind of anarchy are you engaged in? …(*Interruptions*).. Hon. Members, I had the privilege, I had the distinguished honour at the invitation of the Speaker, Lok Sabha, to inaugurate Prerna Sthal. I was there; I saw the location; I saw the situation. I would urge the hon. Members that before making a comment, please spare time to go there. Find out its situation and location.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: I know, Sir.

MR. CHAIRMAN: One minute. You will have to …(*Interruptions*).. How advantageous it is, how well it has been done! And, for the first time, in a methodical manner, in our cultural fashion, bringing out civilization to the fore, this has been done. …(*Interruptions*). Criticism for the sake of criticism can never be constructive. Let us keep away from it. …(*Interruptions*). You are a very senior Member. ..(*Interruptions*).. You are sitting on your seat and still speaking, Mr. Shaktisinh. Perhaps, you need some kind of learning from your senior leaders. Don't disturb the LoP when…(*Interruptions*)… Again! May I request the LoP to control his people first?

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Sir, they are under your control.

---

† Not recorded.

MR. CHAIRMAN: Under my control!

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Outside, they are under my control.

MR. CHAIRMAN: I am glad; they are under my control. I will ensure it. I am grateful. और यह पहली बार बहुत अच्छा हो रहा है कि आप मुझे address कर रहे हैं। I think others will also follow.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, प्रधान मंत्री जी ने - वे इस जगह पर थे कि डा. बाबा साहेब अम्बेडकर की मूर्ति पार्लियामेंट के सामने रखनी चाहिए, इसके लिए 1963-64 में बहुत बड़ा आंदोलन हुआ था। उस वक्त पंजाब के हमारे जो स्पीकर सरदार हुकुम सिंह जी थे। जब वे गुलबर्ग आए थे, तब दो-तीन हजार लोगों ने मिलकर घेराव करके उनसे कहा था कि साहब डा. बाबा साहेब अम्बेडकर जी की मूर्ति वहां पर लगाना जरूरी है, क्योंकि उन्होंने इस देश को संविधान बनाकर दिया और समानता की दृष्टि से, सामाजिक न्याय की दृष्टि से उन्होंने यह काम किया।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी, आप तब भी घेराव करते थे।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, उस समय हमें आठ दिन की सजा हो गई थी। हमें आठ दिन की सजा हो गई और बारा बलुते की जो डिमांड थी, वह उसी में थी। सर, हम लोगों ने बचपन में, स्टूडेंट लाइफ में लड़कर, संघर्ष करके वे काम करवाए थे, आपने किए थे, लेकिन अब उन्हें पीछे ले जाकर रख दिया। सर, 14 अप्रैल को हजारों लोग वहां दर्शन के लिए आते हैं। एक दरवाजे से आते हैं और दूसरे दरवाजे से बाहर चले जाते हैं। अब आपने मेरे चैम्बर के सामने लगा दिए हैं। मैं घर में रोज सुबह उठकर उनके दर्शन करता ही हूं, लेकिन आप सबने वे सारी मूर्तियां लाकर मेरे चैम्बर के गेट के सामने रख दी हैं। महोदय, मैं आपसे अपील करता हूं कि ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please. ...*(Interruptions)*... Hon. LoP is on his legs. ...*(Interruptions)*... Keep calm. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः महोदय, मैं आपसे अपील करता हूं कि गांधी जी का जो स्टेच्यू था, बाबा साहेब अम्बेडकर जी का स्टेच्यू था, शिवाजी जी का स्टेच्यू था, तो वे जिस जगह पर थे, उस जगह आप रख दीजिए। उससे कोई नुकसान नहीं होने वाला है। यह मैं आपसे अपील करता हूं और बार-बार अपील करूंगा। मेरी हाथ जोड़कर आपसे विनती है कि उनकी insult मत कीजिए, उनका अपमान मत कीजिए। अगर उनका अपमान करेंगे, तो 50 करोड़ एससी, एसटी, दलित, वंचित और आदिवासियों का अपमान होगा, देश का अपमान होगा और संविधान का अपमान होगा। आप तो वकील हैं, अच्छे नेता हैं, इसलिए मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि आप उनको वापस वहीं रख दीजिए।

MR. CHAIRMAN: One minute. ...*(Interruptions)*... Parliamentary Affairs Minister, if you want to say something ... ...*(Interruptions)*...

संसदीय कार्य मंत्री; तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजु): सर, मैं छोटा सा... (**व्यवधान**)... Khargeji, ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: महोदय, पार्लियामेंट के अंदर जो फोटोज़ लगती हैं, उनको बिठाने के लिए, चेंज करने के लिए एक कमेटी होती है, जिसमें अपोजिशन लीडर होता है, दूसरे मैम्बर्स होते हैं, आप होते हैं और स्पीकर होते हैं और उनको किस जगह पर बैठाना है, कैसे बैठाना है, तो वह मीटिंग करने के बाद तय किया जाता है। अभी इसके लिए कोई मीटिंग नहीं हुई। यह authoritarian रूल के जैसे, कहीं भी लिटाओ, कहीं भी बैठाओ।... (**व्यवधान**)...

MR. CHIARMAN: Kirenji ...*(Interruptions)*... One minute. ...*(Interruptions)*... Hon. Minister. ...*(Interruptions)*...

SHRI KIREN RIJIJU: Khargeji ... ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: It happens. ...*(Interruptions)*... You don't have to decide. I decide. ...*(Interruptions)*... Khargeji, what is happening? ...*(Interruptions)*... Come on, make your point. ...*(Interruptions)*...

SHRI KIREN RIJIJU: Hon. Chairman, Sir, ... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Kirenji, continue....*(Interruptions)*...

श्री किरेन रिजिजु: सर, जब लीडर ऑफ अपोजिशन कोई इम्पोर्टेंट मुद्दा उठाते हैं, उसका रेस्पांड करने की एक प्रथा होती है। इसलिए illegal, unconstitutional मत कहिए। This is the culture of the House. When the Leader of the Opposition raises an important matter, the Government has to respond. ...*(Interruptions)*... इसलिए उसमें कोई विवाद नहीं करना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... आप सुनेंगे, तो पता चलेगा। यदि आप सुनेंगे नहीं, तो...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Tiwari, you are forcing me to name you people. I have given him permission, and let me tell you ... ...*(Interruptions)*... Please take your seat. ...*(Interruptions)*...

SHRI KIREN RIJIJU: Sir, ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Kirenji, take your seat. ...*(Interruptions)*... Hon. Members, when there is a debate in the House, the debate has to be lively; the debate has to be involved. The Leader of the Opposition is making remarkably a good speech. If there is an intervention required, ...*(Interruptions)*... One minute. You don't have to decide. I am the judge of that. ...*(Interruptions)*... Now, Kirenji. ...*(Interruptions)*... Kiren Rijijuji. ...*(Interruptions)*...

श्री किरेन रिजिजु: ऑनरेबल चेयरमैन सर, अभी माननीय खरगे जी लीडर ऑफ अपोजिशन ने ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing else will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री किरेन रिजिजु: संसद में स्टैच्यूज़ को, सारे स्टैच्यूज़ को एक जगह पर रखकर प्रेरणा स्थल के नाम से जो बनाया गया है, उसको लेकर सवाल खड़ा किया है। ...(**व्यवधान**)... सर, मैं सिर्फ क्लेरिफिकेशन देना चाहता हूं। सर, आपने अभी-अभी हाउस को बताया कि आप चीफ गेस्ट के तौर पर वहां आए और आपने उद्घाटन किया। उसमें ऑनरेबल स्पीकर ऑफ लोक सभा, क्योंकि एडमिनिस्ट्रेटिव कंट्रोल वे करते हैं, उनकी अध्यक्षता में काम हुआ। ...(**व्यवधान**)... सर, मैं भी उस समय मौजूद था।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : नहीं, नहीं। ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, he is not yielding. ...*(Interruptions)*...

श्री किरेन रिजिजु: एक मिनट। ...(**व्यवधान**)... सर, अभी खरगे जी ने allegation लगाया कि सारी मूर्तियों को उठाकर कॉर्नर में फैंक दिया। ...(**व्यवधान**)... सर, पुरानी पार्लियामेंट की बिल्डिंग राउंड शेप में है, वहां कोई कोने नहीं होते हैं। वह पार्लियामेंट, जो राउंड है और उसी राउंड पार्लियामेंट में बहुत ही खूबसूरत जगह में प्रेरणा स्थल की जगह तय की है। ...(**व्यवधान**)... बहुत सम्मानजनक, बहुत ही एप्रोप्रिएटली, सही तरीके से मूर्तियों को रखा है। आज देश की कोई भी जनता संसद में आकर के संसद को देखना चाहती है, तो वह हमारे महान आत्माओं की एक जगह पर जाकर दर्शन कर सकती है। किसी भी तरीके से, किसी भी मूर्ति, किसी भी महान आत्मा, जिन्होंने रास्ता दिखाकर देश को यहां तक पहुंचाया है, किसी का अपमान नहीं, बल्कि सम्मान करने के तरीके को और बढ़ाया गया है। इसलिए मिसलीड नहीं करना चाहिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, देखिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. LoP... ...*(Interruptions)*... One minute, please. ...*(Interruptions)*... Your entire tribe gets up. I want everyone to take seat. खरगे जी,

पार्लियामेंट के बारे में कहीं पर एक बात कही गई थी. There is no backdoor entry in Parliament. If you look at the building of Parliament, it has been so designed that there is no backdoor entry. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, देखिए। ...(**व्यवधान**)... सर रिजिजु जी ने जो बोला है, मैं उनसे विनती करता हूं ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Tiruchi*ji*, Leader of the Opposition. Let us hear him calmly.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, he need not be interrupted every time. He is the Leader of the Opposition. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, आपने जो स्टैच्यूज़ बिठाए हैं, लगाए हैं, कौन-से, कौन-से लोग उसके लिए लड़े हैं और किस स्थल पर बिठाना, यह उसी वक्त तय हुआ था, अब आप बदलकर एक ही जगह पर लाते हैं। महात्मा गांधी जी को और दूसरे लीडर्स के प्रति भी मेरी पूरी इज्ज़त है, लेकिन महात्मा गांधी जी के साथ दूसरों को भी बिठाते हैं। ...(**व्यवधान**)... बाबा साहेब अम्बेडकर के सामने बिठाना तय हुआ था और उसी जगह पर बिठाते। आप हरेक बात को ऐसा कर देते हो, किसी को हम क्रिटिसाइज़ करें, किसी को अलग करें, यह बात आप करते हैं, इसीलिए मैं आपसे कहता हूं कि उनको उस कमेटी के बारे में मालूम नहीं है। आप पढ़कर, देखकर, कौन से, कौन से मेम्बर्स हैं, उन सब की सलाह लेकर, उसके बाद, उसी जगह पर आप उनको बिठाइए। सर, इसके बारे में तो मैं आपसे बार-बार विनती करूंगा।

सर, प्रधान मंत्री ने अभी कहा कि people want substance, not slogans. पिछले 10 साल से विपक्ष आपको यही कहता रहा है कि कुछ काम भी कीजिए, महज़ नारेबाजी मत करिए। उन्होंने कैसे स्लोगन दिए, अच्छे दिन आएंगे, आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, ऐक्ट ईस्ट पालिसी, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सबका साथ सबका विकास, चार सौ पार और ये स्लोगन दिए हैं। चार सौ पार नहीं, अब तुम तो डूब गए। ...(**व्यवधान**)... ये स्लोगन्स हैं और स्लोगन देने में मोदी जी माहिर हैं, सिर्फ स्लोगन देना, लोगों से मीठी-मीठी बातें करके *करना, ये काम वे कर रहे हैं।

श्री सभापतिः * को हटा दीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः नहीं, नहीं। सर, यह बोलना पड़ेगा।

MR. CHAIRMAN: Delete it.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः इतना बोलने वाले व्यक्ति हैं। गरीबों के बारे में, महिलाओं के बारे में हमदर्दी दिखाने वाले व्यक्ति से मैं पूछता हूं कि मणिपुर एक साल से जल रहा है, किस तरह से महिलाओं

* Expunged as ordered by the Chair.

और वहाँ के लोगों को तंग और तबाह करके घर बरबाद किए जा रहे हैं, क्या आप एक दिन भी वहाँ जाकर आए? क्या आप मणिपुर में जाकर आए? आप चौदह देशों में फिरे..(**व्यवधान**)..आप चौदह देशों में गए, इलेक्शन में सैकड़ों भाषण दिए, लेकिन आप मणिपुर क्यों नहीं गए? आप मणिपुर क्यों नहीं पहुंचे? ..(**व्यवधान**).. महोदय, मैं 'सबका साथ-सबका विकास' पर कहूं, तो आपने सिर्फ कुछ लोगों का साथ दिया, कुछ का विकास किया और गरीबों का सब * किया। इन सभी नारों की हकीकत क्या है - यह देश अच्छी तरह जान रहा है।

सभापति जी, 2024 का चुनाव आम जनता के शब्दों में अहंकार तोड़ने वाला चुनाव था। पिछली सरकार के 17 मंत्री चुनाव हार गए। हम किसानों को जीप से रौंदने वाले मंत्री को हटाने की मांग कर रहे थे, लेकिन जनता ने ही उन्हें रौंद दिया और वे खत्म हो गए।

सभापति जी, एक शायर ने कहा है ..(**व्यवधान**)..

श्री सभापतिः कौन से शायर ने कहा है, उनका नाम बताइए?

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सभापति जी, एक शायर ने कहा है,

'कभी घमंड मत करना, तकदीर बदलती रहती है,
शीशा वही रहता है, बस तस्वीर बदलती रहती है।'

यह घमंड है और ये ऐसा ही भाषण देते थे, जैसे कि ये घमंडी इंडी, घमंडी गठबंधन आदि-आदि। महोदय, ये हमें घमंडी बोलते थे, लेकिन घमंड तो आपका टूट गया है। ..(**व्यवधान**)..आज आपको वह नारा नहीं लगाना पड़ेगा जो 400 पार का है, अब तो 200 पार में हैं। अभी बड़ी मुश्किल से आए हैं। ..(**व्यवधान**).. आप बैठिए।

महोदय, मैंने पिछले भाषण में भी कहा था कि बीजेपी सरकार सिर्फ जनता का जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति करती है। हम किसानों की बात करते हैं, तो मोदी जी भैंस खोलने की बात करते हैं, हम बीजेपी द्वारा देश को बांटे जाने की सोच पर बात करते हैं, तो मोदी जी औरंगजेब और मुगल को याद करते हैं, हम बेरोजगारी, पेपर लीक की बात रखते हैं, तो मोदी जी मंगलसूत्र और * को याद करते हैं, हम महंगाई पर बात करते हैं, तो बीजेपी देश की छोड़कर विदेशों में महंगाई की बात करने लगते है, विपक्ष जनता की बात करता है, तो मोदी जी अपने मन की बात सुनाने लगते हैं। वे यह बात करते-करते यहाँ तक पहुंचे, लेकिन अपना काम करना ही भूल गए और सिर्फ अपने मन की बात बोलने में ही लग गए। मैं प्रधान मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आज के मुद्दों का जवाब दीजिए, इतिहास में जो हुआ, जनता उस पर फैसला लेने में सक्षम है, इसलिए उन लोगों पर छोड़ दीजिए। आप यह बात बार-बार मत कीजिए, आप घमंडी बात मत कीजिए और लोगों को उचकाने की बात मत कीजिए। अगर आप ऐसी बात करेंगे, तो आपकी हालत ऐसी ही होती जाएगी, आपकी हालत बिगड़ती जाएगी।

सर, राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में पैरा 26 में कुछ कहा है। राष्ट्रपति जी ने क्या कहा है? राष्ट्रपति जी ने कहा है कि आज की संचार क्रांति के युग में विघटनकारी ताकतें लोकतंत्र को

---

* Expunged as ordered by the Chair.

कमजोर करने और समाज में दरारें डालने की साजिशें रच रही हैं। इनके द्वारा अफवाहें फैलाने, जनता में भ्रम डालने के लिए मिसइन्फॉर्मेशन का सहारा लिया जा रहा है। उनका कहना बिल्कुल सही है। अपने राजनीतिक जीवन में कई चुनाव लड़े, लेकिन पहली बार देखा कि इस चुनाव में * किसी प्रधान मंत्री ने ऐसी बात पहले नहीं की है। पूरे विश्व में हमारी साख पर इसका बुरा असर हुआ है। मोदी जी को आप लोगों ने विश्व गुरु बनाया ...(**व्यवधान**)... नहीं, मैं विष गुरु नहीं बोलता हूँ। ...(**व्यवधान**)... जो बोलते हैं, वे लोग बोल दें ...(**व्यवधान**).. विश्व गुरु की बातें करते थे, लेकिन उनकी सच्चाई दुनिया के बड़े अखबारों की इन चंद हेडलाइंस से पता चलती है कि क्या वे विश्व गुरु थे। क्या थे वे? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः सर, आप जैसा व्यक्तित्व इस प्रकार से... ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, छोड़िए, छोड़िए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं, नहीं, ऐसा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... I am happy that you have regretted. I am really happy.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः फ्रांस24 ने कहा - Ugly speech but not a surprise. यह फ्रांस के अखबारों ने उन्हें कहा। वाशिंगटन पोस्ट ने कहा - "Modi accused of hate speech towards India's Muslims in election rally." सीएनएन ने कहा - "Modi's Muslim remarks spark 'hate speech' accusations as India's mammoth election deepens divides." अल जजीरा ने यह कहा - "Infiltrators - Modi accused of anti-Muslim hate speech amid India election". दि गार्जियन ने कहा - "Narendra Modi accused of stirring tensions as voting in India continues." हाल में कुछ अखबारों में तो यहाँ तक आया कि भारत में नफरत फैलाने वाले भाषणों और अल्पसंख्यक समुदाय के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। यानी, ये सारी बातें हम नहीं बोल रहे हैं, दुनिया के लोग विश्व गुरु को बोल रहे हैं। आपको हमने विश्व गुरु माना, लेकिन यह क्या है! ...(**व्यवधान**)... सर, अगर आप किसी व्यक्ति को बढ़ा-चढ़ाकर बताएंगे, तो उसका असर इतना बुरा होता है कि देश पर भी उसका असर दिखता है। मैं कहता हूँ कि उन्होंने चुनाव में जो बातें रखीं, वे बहुत ही नफरत की बातें थीं, इसीलिए मैं आपके सामने यह उदाहरण रख रहा हूँ। चुनाव में जो कुछ कहा गया, उसे लोगों ने यह समझा कि दस साल से सत्ता में बैठे व्यक्ति के पास सरकार की उपलब्धि बताने के लिए कुछ भी नहीं है, इसीलिए उन्माद फैलाने वाली बातें कही जा रही हैं और वे कह रहे हैं। सभापति जी, कुर्सी कायम रहती है। सत्ता आती है और जाती है, * सर, चुनाव के दौरान प्रधान मंत्री जी ने जितने भाषण दिए हैं, कैसे-कैसे दिए हैं, यह मेरे पास है। मैं उनके बारे में ज्यादा बोलना नहीं चाहता हूँ, लेकिन वे कैसे बोले, कहाँ बोले, ऐसी मेरे पास उनकी 200 तक स्पीचेज़ हैं, पर मैं आपका ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता हूँ, इसलिए मैं उन्हें पढ़ना भी नहीं चाहता हूँ। सर, मैं मोदी जी के तीन बयान

* Expunged as ordered by the Chair.

क्वोट करना चाहूँगा। अनुरोध है कि आप उन्हें प्रोसीडिंग्स में बनाए रखेंगे। ...(**व्यवधान**)... यह संपत्ति इकट्ठे करके... ...(**व्यवधान**)...

12.00 **Noon**

श्री सभापतिः लीडर ऑफ दि अपोज़िशन, आप जिन तीन बयानों की चर्चा कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... Can you please keep silence? I am having dialogue with the Leader of the Opposition. सर, मेरा यह कहना है कि आप मुझसे जो अनुरोध कर रहे हैं कि उन तीन भाषणों के अंश को प्रोसीडिंग्स में रखा जाए, आप भाषण जारी रखिए - भाषण कब दिया, कहां दिया और उस पार्ट को ऑथेंटिकेट कर दीजिए। ...(**व्यवधान**)... Please go ahead. कोई इश्यू नहीं है। ...(**व्यवधान**)... Authentication during the course of... *..(Interruptions)..* Leader of the Opposition is quite competent to defend himself. *..(Interruptions)..*

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: No, no; nothing will go on record. *..(Interruptions)..* ये क्या कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... Shaktisinh, I find *..(Interruptions)..*

SHRI SHAKTISINH GOHIL: Sir, with due respect, *..(Interruptions)..*

MR. CHAIRMAN: Take your seat. *..(Interruptions)..*

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, what a shame for us that a Member of this House is so gesticulative! The leadership must control him. He needs to show decorum. His leader is on legs. His leader has full command. He can protect himself. *(Interruptions)..*

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: Again! Control, control. खरगे जी, कम से कम उनको कंट्रोल कीजिए। ...(**व्यवधान**)... उनको कंट्रोल कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

† Not recorded.

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे) : आप हमेशा ऑथेंटिकेट करने के लिए कहते हैं, इसीलिए मैं ये पूरी कटिंग्स लाया हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः कटिंग नहीं, आथेंटिकेशन ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः ये देखिए, कांग्रेस की राम मंदिर पर बुलडोज़र की तैयारी ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नहीं-नहीं ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सुनिए, आपने आथेंटिकेट करने को कहा है ...(**व्यवधान**)...ये पूरे हैं ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please. ..*(Interruptions)*.. Kharge ji, one minute.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, बार-बार बैठना-उठना, मुझे तकलीफ है...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, it is not without purpose that, in this House, I had firmly indicated that this is not a place for freefall of information. Every Member of the House has full authority to express anything. Every Member has a right of freedom which is constitutionally protected. But that freedom comes with a rider. Whatever the Member says, that has to be authenticated. A newspaper reporting is not authentication. ..*(Interruptions)*.. A primary material... ..*(Interruptions)*.. Suppose, something is reported about ..*(Interruptions)*.. Mr. Chidambaram, you are yet to respond. The matter is under my consideration. ..*(Interruptions)*.. Let Mr. Chidambaram have a say for a moment because his matter is pending with me. He has failed to authenticate a very important issue.

SHRI P. CHIDAMBARAM(Tamil Nadu): How else does a Member authenticate the Prime Minister's speech made in some part of the country? How else does he authenticate? Please tell us.

MR. CHAIRMAN: I will tell you. Mr. Chidambaram is a distinguished senior advocate. I have been one myself. Let me tell you. You came to my Chamber -- you are forcing me now -- when a communication was sent to you. Because you took a snipe shot at the Prime Minister, putting a video clip, I directed you to authenticate it. You came to me and asked: How do I authenticate? I said, "You are a distinguished

lawyer. Get assistance of another lawyer." The law is very clear. It is a primary material. ..*(Interruptions)*..

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): We are not lawyers. ..*(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: One is by your side. ..*(Interruptions)*.. Kharge ji, I would urge you, taking note of your stature... ..*(Interruptions)*..

SHRI P. CHIDAMBARAM: †

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. No. ..*(Interruptions)*.. Chidambaram ji, you rise every time only to make a point so that you can hit the headlines. Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... No, Mr. Chidambaram. You must conduct yourself consistent with your stature. ..*(Interruptions)*.. I have already ruled in this House. My ruling stands that any Member who makes any factual assertion has to authenticate it in the manner already indicated. ...(*Interruptions*)... Look behind. ...(*Interruptions*)... The front row must look behind what their Members are gesticulating. ...(*Interruptions*)... Shame on us! ...(*Interruptions*)... This conduct is ignoble.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, authentication करने के बहुत से तरीके हैं।

श्री सभापति: ऐसा कीजिए, आप अपनी बात कहिए और फिर चैम्बर में हम बात करेंगे। I don't want to see your address so interrupted even from your own side.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: मुझे चैम्बर में आपसे कोई काम नहीं है। यह आप चिदम्बरम साहब के लिए बोले?

श्री सभापति: चिदम्बरम साहब अब तक जवाब नहीं दे पाए हैं। एक साल से मैंने उस बात को pending रखा है।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I answered one year ago.

MR. CHAIRMAN: No, Sir. You have yet to do it.

---

† Not recorded.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः देखिए, मैं जो बात रख रहा हूँ, इसके आधार पर आप बहुत से पेपर्स को भी ज़रा अच्छा समझते हैं।

श्री सभापति: कौन सा पेपर?

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: All newspapers.

MR. CHAIRMAN: No. I am so sorry.

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: TV and Newspaper.

MR. CHAIRMAN: I am so sorry. ...(*Interruptions*)... Anything can appear in a paper.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः वीडियो, इसको सब समझते हैं न! ...(**व्यवधान**)... ठीक है, देखिए।

MR. CHAIRMAN: No. I am so sorry. ...(*Interruptions*)... From this Chair, I cannot allow this. ...(*Interruptions*)... Anything may appear about anyone. Do we take it as authenticated? No.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः "ये कांग्रेस के लोग संपत्ति इकट्ठी करके किसको बाँटेंगे", किसने कहा? मोदी जी ने कहा।

MR. CHAIRMAN: You will have to authenticate it.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः "जिनके ज्यादा बच्चे हैं, उनको बाँटेंगे, घुसपैठियों को बाँटेंगे। क्या आपकी मेहनत की कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा? माताओं, बहनों..." ...(**व्यवधान**)... सर, आगे कहेंगे। ये तो उनके शब्द हैं, जिन शब्दों की वे इतनी पूजा करते हैं, वे ही शब्द मैं बोल रहा हूँ। सर, "कमाई का पैसा घुसपैठियों को दिया जाएगा। माताओं और बहनों के सोने का हिसाब करेंगे और बाँट देंगे।" ...(**व्यवधान**)... सर, दूसरा, "इनकी नजर कानून बदल कर हमारी माताओं - बहनों की संपत्ति छीनने पर है। ऐसा खेल खेला जा रहा है, उनके मंगल सूत्र, उस पर भी इनकी नजर है।" ...(**व्यवधान**)... यह मेरी कांग्रेस को accuse किया गया है, इसका उत्तर मैं दे रहा हूँ। और authenticate क्या होगा? आगे आपने और भी कहा। मेरे पास बहुत से उदाहरण हैं, आप उठ भी नहीं सकते। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः उनको तो रोकिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः चलो, मैं यहीं बस करता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः पीछे तो देखिए। ...(**व्यवधान**)... पहले पीछे देखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः देखिए, और एक बात, उन्होंने insult किया। उन्होंने voter को insult किया, कांग्रेस को insult किया, आरजेडी को किया, एसपी को किया। हर पार्टी, जो गठबंधन के लोग थे, even टीएमसी के बारे में भी उन्होंने क्या कहा, मैं बताता हूँ। ...(**व्यवधान**)... †

MR. CHAIRMAN: No. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... The House is not in order. ...(*Interruptions*)... The House is not in order. ...(*Interruptions*)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)... No; it will not go on record. ...(*Interruptions*)... It will not go on record. ...(*Interruptions*)... पहले उनको तो बिठाइए। ...(**व्यवधान**)... पहले उनको तो बिठाइए। ...(**व्यवधान**)... Please. ...(*Interruptions*)... I urge every Member to take his or her seat.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैं कोई ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः देखिए, आपको सुनना ही नहीं चाहते। ...(**व्यवधान**)... आपके लोग आपको नहीं सुनना चाहते। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सुनिए, सर, आखिर में क्या बोले? † ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: This will not go on record. ...(*Interruptions*)... No; this will not go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, †...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: This is derogatory; this is defamatory and unexpected of a mature leader. ...(*Interruptions*)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, † मैं कह रहा हूँ कि ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: This will not go on record. ...(*Interruptions*)... Khargeji, please. ...(*Interruptions*)... Sit down. ...(*Interruptions*)... Mr. Shaktisinh, you are forcing

† Not recorded.

me. ...(*Interruptions*)... Khargeji... (*Interruptions*)... खरगे जी, एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... Please, please. ...(*Interruptions*)... You are Chief Whip. ...(*Interruptions*)... Mr. Neeraj Shekhar, it is not a wise step to follow Mr. Shaktisinh. Mr. Shaktisinh is on a wrong path. No one can approve of what he is doing. If you look at the video, that will show him as if...(*Interruptions*)... What a shameful scenario! ...(*Interruptions*)... Khargeji, I urge you. ...(*Interruptions*)... One minute. ...(*Interruptions*)... You are addressing me; that is good because that is the only way. परन्तु आपसे मेरा अनुरोध है कि कृपा करके ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर,...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः कृपा करके ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान): सर, इनका माइक बन्द कर दिया गया है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I take strong exception to this kind of a statement by Mr. Pramod Tiwari. What does he mean by माइक बन्द कर दिया? ...(**व्यवधान**)... नहीं, नहीं। मैडम, यह बन्द करना है क्या? यदि यही optics करनी है, तो करते रहिए। बन्द कहाँ करना है, यह automatic है। What is this? ...(*Interruptions*)... We cannot understand the simple technology. ...(*Interruptions*)... खरगे जी, आप मेरी बात सुनिए। इस माइक को बन्द करने का किसी को अधिकार नहीं है। ...(**व्यवधान**)... एक बार मेरी बात आप भी नहीं सुनेंगे, तो फिर बाकी लोग क्या सुनेंगे! मेरा यह कहना है कि जो इस प्रकार की भ्रांति फैलाते हैं और पार्लियामेंट को कलंकित करते हैं - tainting, tarnishing, diminishing, demeaning our institutions. ...(*Interruptions*)... क्या यहाँ माइक बन्द होता है? ...(**व्यवधान**)... किसको बोलने नहीं दिया जा रहा है? ...(**व्यवधान**)... Do we send a signal here कि माइक बन्द हो रहा है? ...(**व्यवधान**)... Mr. Kharge, you know it that it is mechanically controlled. ...(*Interruptions*)...

श्री सैयद नासिर हुसैन (कर्नाटक)**:** सर, इनका माइक अभी भी बन्द है। माइक ऑन करवाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मुझे लग रहा है कि यहाँ प्रथम पंक्ति में बदलाव के बाद कुछ सदस्यों का आचरण अति उत्साही हो रहा है और इतना उत्साही हो रहा है कि ...(**व्यवधान**)... यह कोई तरीका नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल (गुजरात)**:** कोई बदलाव नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मैं बदलाव देख रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... यह मैं देख रहा हूँ। खरगे जी, क्या आप मानते हैं कि यहाँ माइक बन्द होता है? ...(**व्यवधान**)... प्लीज़, प्लीज़। ...(**व्यवधान**)... खरगे जी, अनुरोध है कि आप शालीनता ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : थैंक यू। धन्यवाद।

श्री सभापतिः जब मैं बोलता हूँ, तब किसी का माइक चालू नहीं रहता है। यह क्लीयर कंसेप्ट है। मेरे से ज्यादा आप जानते हैं। आपका 54 साल का अनुभव है। आप प्रतिपक्ष के नेता प्रांत में रहे हैं, लोक सभा में रहे हैं, यहाँ रहे हैं, इसलिए आप इस बात को जानते हैं। आपसे औरों को सीखने की आवश्यकता है। मेरा आपसे अनुरोध है...(**व्यवधान**)... What is the problem of Shaktisinh? *...(Interruptions)...* Can someone find out or do we need medical advice for him? *...(Interruptions)...* He has no respect for anyone. *...(Interruptions)...* You are insulting your LoP so seriously. *...(Interruptions)...* You are taking LoP to be not competent enough to take care of his position! *...(Interruptions)...* Why insult the LoP? *...(Interruptions)...*

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, एक मिनट।...(**व्यवधान**)... अगर यह जो...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN**:** He can do it on his own. *...(Interruptions)...* Three of you rise to save him. *...(Interruptions)...* He has to save all of you. *...(Interruptions)...* Please keep that*....(Interruptions)...* खरगे जी, आपसे यह अनुरोध है कि आप शालीनता की सीमा रखिए।...(**व्यवधान**)... आपका व्यक्तित्व ऐसा नहीं है।...(**व्यवधान**)... आप शालीनता रखिए।...(**व्यवधान**)... Come on. *...(Interruptions)...* Mr. Kharge. *...(Interruptions)...* Mr. Kharge will take the floor now. *...(Interruptions)...* The Leader of the Opposition. *...(Interruptions)...* Hon. Leader of the Opposition, please address the House. *...(Interruptions)...* And I am sure they will observe silence. *...(Interruptions)...* Please address the House.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैंने जो क्वोट किया है, उसको सब लोगों ने सुना है और इसके बारे में सबको मालूम है। मैं कोई असत्य बात यहाँ नहीं रख रहा हूँ। माननीय प्रधान मंत्री, जो इस देश के नेता हैं, उनके मुँह से जो अमृतवाणी निकली, उसको मैंने यहाँ पर रखा है।

श्री सभापतिः खरगे जी, यह आपके मुँह से शोभा नहीं देता है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, अगर आपको यह सच नहीं लगता है, तो मैं इसको आपको भेज दूँगा, आप इसको आराम से पढ़ लीजिएगा, उसके बाद मुझे भी कहिएगा।

श्री सभापतिः मैं पूरा पढ़ूँगा, अक्षरशः पढ़ूँगा।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, सच बोलने वाले अक्सर बहुत ही कम बोलते हैं, लेकिन * बोलने वाले हरदम, निरंतर बोलते हैं।...(**व्यवधान**)... सर, ये लोग मुझे बोलने से रोक रहे हैं।...(**व्यवधान**)... इससे मेरा बोलने का फ्लो टूट रहा है।...(**व्यवधान**)... वे लोग खड़े होकर मुझे डिस्टर्ब कर रहे हैं और आप भी मेरा साथ नहीं दे रहे हैं।...(**व्यवधान**)... ऐसे में मैं क्या करूँ? ...(**व्यवधान**)... सर, सच बोलने वाले अकसर बहुत ही कम बोलते हैं, * बोलने वाले लेकिन हरदम निरंतर बोलते हैं। एक सच के बाद और सच की जरूरत नहीं होती, एक * के बाद सैकड़ों * आदतन बोलते हैं। हमारे प्रधान मंत्री, मोदी साहब की यह वाणी है। मैंने उनकी वाणी को यहाँ पर दोहराया है। अगर इससे आपको दुख हुआ या उनको दुख हुआ, तो मैं इसके लिए क्षमा चाहता हूँ।

श्री सभापतिः आपको ऐसा क्यों लग रहा है कि मुझे दुख होगा?

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैंने यहाँ पर सच बात रखी है। सच को डिफेंड करने के लिए कुछ नहीं होता है, क्योंकि वह सच है, लेकिन * को डिफेंड करने के लिए सौ * बोलने पड़ते हैं।

सभापति जी, चुनाव में बहुत-से ऐसे बयान आए, लेकिन राष्ट्रपति जी ने ऐसे बयानों पर चिंता प्रकट नहीं की। चुनाव आयोग ने 16 मार्च, 2024 को चुनाव की घोषणा करते हुए कहा था, "There shall be no appeal to caste or communal feelings for securing votes." मैंने ये सब पढ़ा। यह कैसा है, क्या वे सेक्युलर वर्ड्स हैं, क्या वह कास्ट बेस्ड, रिलीजियन बेस्ड या भाषा बेस्ड है - यह आप देख लीजिए। मैंने इसको आपके सामने रखा है और देश की जनता भी यह बात सुन रही होगी। सर, पीएम ने 421 बार मंदिर, मस्जिद, मुस्लिम और बाकी धर्मों की बातें कीं, 224 बार मुस्लिम, पाकिस्तान, माइनॉरिटीज़ जैसी समाज बाँटने वाली बातें कीं। कांग्रेस के मेनिफेस्टो को धर्म विशेष से जोड़ दिया, हमारा मेनिफेस्टो धर्म विशेष से जोड़ दिया। ...(**व्यवधान**)... 75 सालों में विभिन्न दलों से जुड़े प्रधान मंत्रियों ने चुनाव प्रचार किया, पर ऐसा कभी नहीं देखा गया। 77 दिनों के चुनाव में कांग्रेस ने चुनाव आयोग को 117 शिकायतें दीं, जिनमें से 14 शिकायतें प्रधान मंत्री जी के खिलाफ थीं, जिनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। मैं यह गिनकर बोल रहा हूँ और यह सत्य है, आपको मालूम है। चुनाव आयोग तो संवैधानिक संस्था है, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कायम रहेगा, लेकिन ये जो चीज़ें हुई हैं, प्रधान मंत्री ने अपने भाषण में जो कहा और उसके लिए हमने जो अपनी कम्पलेंट्स दीं, उन पर आज तक कोई ऐक्शन नहीं लिया गया।

सर, चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी के खाते फ्रीज़ कर दिए गए। चुनाव के ठीक पहले हमें इनकम टैक्स के नोटिसेस आए। आप लेवल प्लेइंग ग्राउंड चुनाव बोलते हैं और जब चुनाव आता है तो अपोजिशन पार्टी के एकाउंट्स बन्द कर देते हैं! यह चुनाव है, यह डेमोक्रेसी है! यह सत्य है। आपने हर तरीके से लोगों को तंग करने की, harass करने की कोशिश की, लेकिन लोग डरे नहीं, बल्कि आपको करारा जवाब देकर आज शर्मिन्दा किया है।

---

* Expunged as ordered by the Chair.

सर, मैं एक और बात बोलता हूँ। जहाँ हमारे खाते फ्रीज़ हुए, वहीं सत्ताधारी दल ने "चंदा दो, धंधा लो" - चंदा दो, इलेक्टोरल बॉण्ड्स लो और कॉन्ट्रैक्ट्स,बिल्स आदि सभी चीज़ें लो कहकर, उस वक्त उनको गिन-गिनकर, बुला-बुलाकर, डरा-डराकर अपने इलेक्टोरल बॉण्ड्स भर्ती कर लिए। यह योजना इल्लीगल है और इन्होंने इल्लीगल तरीके से अपनी पार्टी के लिए हजारों करोड़ रुपये कमाये। यह सब कुछ उन्होंने किया और दूसरी तरफ, ये डेमोक्रेसी की बात करते हैं, संविधान की बात करते हैं, लोगों के हित की बात करते हैं! यह कहाँ तक सच है, कहाँ तक सही है, आप निर्णय ले सकते हैं। सर, इलेक्शन होने के बाद अब तो कम से कम मैं आपसे थोड़ा सा बदलाव चाहता हूँ। *

श्री सभापति : मेरे से उम्मीद है?

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः *

श्री सभापतिः मैं तो सदा सच्चाई के साथ ही हूँ।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, ईडी, आईटी, सीबीआई जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग भी कंपनियों से पैसे वसूलने में किया गया।

श्री सभापतिः खरगे जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, इन संस्थाओं ने केवल विपक्षी नेताओं और सच हित में बोलने वालों को टारगेट किया।

श्री सभापतिः खरगे जी, एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः यह संविधान का अपमान नहीं तो और क्या है?

MR. CHAIRMAN: Kharge*ji*, Leader of the House... ...*(Interruptions)*...

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: No, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: If you yield, the Leader of the House. ....*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैं अभी अपनी बात कह रहा हूँ। यह क्या है? I never yielded. ...*(Interruptions)*... I never yielded. ...*(Interruptions)*...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: Khargeji. ...(Interruptions)... Khargeji, a debate.... ...(Interruptions)... Please. ...(Interruptions)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः जनता द्वारा चुनी गई सरकारें गिराने और विधायकों को खरीदने-तोड़ने का काम किया। यह संविधान का अपमान है।

MR. CHAIRMAN: Please observe... ...(Interruptions)... Khargeji. ...(Interruptions)... Khargeji. ...(Interruptions)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः इंडिया गठबंधन...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Khargeji, my suggestion is for your consideration. ...(Interruptions)... My suggestion for your consideration... ...(Interruptions)... My suggestion is for your kind consideration. The House is hearing you. If the Leader of the House wants to make an intervention, the practice is that, normally, it is allowed. I leave it to your discretion. ...(Interruptions)... I leave it to your discretion. ...(Interruptions)... For example, if there will be a debate from their side and you will rise... ...(Interruptions)... No; if you will say, I have given you... ...(Interruptions)...

श्री शक्तिसिंह गोहिलः सर, एलओपी खड़े हैं और वे लोग डिस्टर्ब कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: Mr. Shaktisinh Gohil...(Interruptions)...

श्री शक्तिसिंह गोहिल : †

MR. CHAIRMAN: You are insulting LoP every time. ...(Interruptions)... You are insulting your LoP to an extreme degree, painful degree. ...(Interruptions)... Shaktisinh, I will name you next time, if you rise. ...(Interruptions)...I will name you. I don't want to do it. ...(Interruptions)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैं दो-चार दिन से सभी डॉक्युमेंट्स को इकट्ठा करके यहां लाकर आप के सामने पेश कर रहा हूं। Kindly allow me, नहीं तो मेरा flow टूट जाएगा। वे चिल्लाते रहेंगे

† Not recorded.

और आप उनको परमिशन देंगे।

श्री सभापतिः वे एक बात कहना चाहते हैं, उन्हें कहने दीजिए। Leader of the House. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, हम जब interfere करते हैं, तब आप हमें करने नहीं देते हैं।

THE LEADER OF THE HOUSE (SHRI JAGAT PRAKASH NADDA): Sir, I wish I could be proved wrong, but what my ears heard was, "अगले साढ़े तीन साल..." It was an aspersion on the Chair that अगले तीन साल आप सच्चाई का साथ देंगे। This is a very serious allegation. This cannot be taken lightly. ...*(Interruptions)*... If the sentence spoken by the LoP is this that अगले साढ़े तीन साल आप सच्चाई का साथ देंगे, this automatically means that there is an aspersion that for the last one and a half years, you have been not giving due to righteousness. Number one. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः यह आपका interpretation है।

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: Number two. इसलिए चेयरमैन साहब, I respect the LoP, I respect the Opposition. ...*(Interruptions)*... But at the same time,... ...*(Interruptions)*... Please keep quiet, I have been given time by the Chairman. ...*(Interruptions)*...I think you are a new Member. ...*(Interruptions)*...
MR. CHAIRMAN: Bikash Bhattacharyya*ji*, I have given him the floor. Sit down. ...*(Interruptions)*... No; please sit down. Leader of the House, please continue.

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: Sir, I respect the Leader of the Opposition, I respect the Opposition, but I would like to put on record that proving your point should not go beyond the norms of the House, and raising aspersions on the Chairman cannot be agreed upon. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मैं इस सदन में किसी का अपमान करने के लिए नहीं आया हूं। अगर ये उचकाने की बात करते हैं तो मैं उसको मानूंगा, अगर कोई ऐसी बात आई है...

MR. CHAIRMAN: Kharge*ji*, one minute. With a heavy heart and in deep pain, I have been suffering accusations of severity wholly unfounded. A Member of this House, Shri Jairam Ramesh, called me a cheerleader. Can you imagine! It is pending. When Kharge*ji* said so,--hon. Members, mark my words--I was aghast, but I did not want to break his flow,--I am taking cognizance of it--for a very simple reason that I find,

on several occasions, we have created, I would say, shameful history. If I invite the Leader of the Opposition to my Chamber, he declines. When I write to you, you did not spare time in four months! Continue with your address. ...*(Interruptions)*... I have taken cognizance of what he said. Please continue.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, अगर आपको इससे हर्ट हुआ है या मुझसे कुछ गलती हो गई तो। regret for that.

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, we give quietus to it. The communication from the Leader of Opposition has touched my heart; we give quietus to it for ever. We will not discuss it. Please go ahead. It is a good gesture, a gesture from a leader.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, जनता द्वारा चुनी गई सरकारों को गिराने और विधायकों को खरीदने, तोड़ने का काम किया गया। यह संविधान का अपमान नहीं, तो और क्या है? आपने कितनी सरकारें तोड़ीं, जहां हमारी majority थी, कर्णाटक तोड़ा, महाराष्ट्र तोड़ा। आपने गोवा में सरकार तोड़ी, मणिपुर में तोड़ी, हर जगह तोड़-फोड़ की और बाद में यहां तक कि इंडिया गठबंधन के, दो मुख्य मंत्रियों को आपने जेल में डाला। हेमन्त सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट ने बेल दी और कहा कि prima facie सबूतों को देखते हुए हेमन्त सोरेन कथित अपराधों के लिए दोषी नहीं हैं। अगर कोई छूटकर आता है...दिल्ली के मुख्य मंत्री छूटकर आए, तो फिर उनको दूसरे केस में फंसा दिया। अगर कोई आपकी बात नहीं मानता है, तो आपके पास उन पर एक्शन लेने के बहुत तरीके हैं। उनको सताने के लिए या out of jealous, अरे यह पार्टी आगे जाएगी, दूसरी पार्टी आगे जाएगी, हम तो दिन-पर-दिन कमजोर हो रहे हैं, तो इसको अंदर डालो। आप जो यह काम कर रहे हैं, यह डेमोक्रेसी के खिलाफ है, संविधान के खिलाफ है और जनता कभी इसको माफ नहीं करेगी।

सर, दूसरी बात यह है कि दस साल से गठबंधन की सरकार को गाली देते थे। मोदी साहब यह बोलते थे कि खिचड़ी सरकार है। वे यह भी कहते थे कि मिलीजुली सरकारों के कारण दुनिया में भारत की छवि खराब हुई। देश ने तीस साल गवां दिए, वे कहते थे की मिलीजुली सरकार की जरूरत नहीं है। देश की जनता ने उनको अल्पमत में लाकर गठबंधन की सरकार बनाने पर मजबूर किया। आप क्यों ऐसी बातें करते हैं, घमंडी बातें क्यों करते हो। आप आज एनडीए की सरकार बोल रहे हैं, वरना बीजेपी भी नहीं बोलते थे। केवल मोदी की सरकार बोलते थे, यह सरकार मोदी चलाएगा, मोदी है, तो सब कुछ मुमकिन है।...(**व्यवधान**)... सर, उन्होंने यहां तक भी कहा कि पीएम ने पूरा चुनाव इंडिया गठबंधन को गाली देते हुए लड़ा। सही नाम लेने में भी नफरत दिखाई। अब आपकी गठबंधन की सरकार बनी है, तो आप हमें बताइए कि हमें आपको क्या बोलना चाहिए?

महोदय, प्रधान मंत्री जी ने ढेरों चुनावी सभाओं में कहा कि पिछले दस साल तो बस ट्रेलर था, अभी असली पिक्चर बाकी है। अभी प्रधान मंत्री जी की पिक्चर कैसी होने वाली है, इसका पिछले एक महीने से अंदाजा लगाया जा सकता है। NEET PG paper leak, UGC NET paper leak, नीट अंडर ग्रेजुएशन रद्द, CSIR NET रद्द, भीषण ट्रेन दुर्घटना, जम्मू-कश्मीर में तीन बड़े

आतंकी हमले, राम- मंदिर लीक, तीन दिन में तीन हवाई अड्डों की छत टूटी, बिहार में 15 दिन में पांच पुल टूटे, टोल टैक्स बढ़ा, रुपये में काफी गिरावट आई और ताजा मामलों में नीट, यूजीसी नेट में धांधली, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के मामले सामने आए। फिर उसके बाद कई पेपर भी रद्द हुए, जिसकी वजह से तीस लाख बच्चों का भविष्य तबाह और तंग हो चुका है। उनके मां-बाप परेशान हैं। यदि ऐसा ही होता रहा, तो कोई बच्चा आगे नहीं पढ़ेगा। देश में इन सात सालों में कुल 70 बार पेपर लीक हो चुके हैं, जिसकी वजह से दो करोड़ नौजवानों का भविष्य चौपट हुआ है। यह पूरी व्यवस्था पर सवाल है। आज पेपर हुआ और कल रद्द हो गया। आप यह बताइए कि कितनी बार पढ़ना और कितनी बार लिखना होगा। आप इसके बारे में बताइए। इस मामले पर गर्वनमेंट की तरफ से कुछ नहीं आता है। जब हम सवाल उठाते हैं, तब ये कहते हैं कि विरोधी पार्टियों को सिर्फ हंगामा करना है। आप व्यवस्था को दुरुस्त कीजिए, आपको किसने रोका है। आप इसको दुरूस्त करिए, आपको कौन रोक रहा है। आप तो हर चीज़ पर क्लेम करते हो, लेकिन पेपर लीक का जो मामला है, जिससे बच्चों का भविष्य जुड़ा हुआ है, उसके बारे में उपाय नहीं कर सकते। 5 मई को गोधरा और पटना से पेपर लीक की खबरें आईं, सरकार छुपाती रही। शिक्षा मंत्री जी ने पेपर लीक की घटना को मानने से इन्कार कर दिया, एनटीए को क्लीन चिट दी। पुलिस जांच में आरोप पकड़े गए, फज़ीहत हुई, तो सरकार ने कबूल किया। बिहार, गुजरात, यूपी, हरियाणा सहित कई राज्यों में पेपर लीक के तार जुड़े हुए थे। हरियाणा में जिस स्कूल में नम्बरों में गोलमाल हुआ है, वह बीजेपी के एक नेता से जुड़ा है। यूपी में एनडीए के एक नेता का नाम आ रहा है, जो पेपर लीक के मामले में फंसा हुआ है। कोटा में हजारों नीट के कोचिंग सेंटर्स हैं, कहीं ये किसी के प्रेशर में तो चर्चा नहीं हो रही है ! क्योंकि वहां पर बहुत से लोग प्रेशर डालने वाले हैं, कोटा में बहुत से सेंटर्स हैं, जहां पर बच्चे पढ़ते हैं, वहां पर प्राइवेट वालों के भी हैं और ये गड़बड़ी मालूम नहीं हो, इसीलिए चर्चा नहीं होने दे रहे हैं, मुझे मालूम नहीं है। इसमें किसी का vested interests है। सर, जरा आप अपनी ओर से इसकी जांच कीजिए।

श्री सभापतिः सर, आप तो चर्चा कर रहे हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : जी।

श्री सभापतिः सर, आप तो चर्चा कर रहे हैं। आप इस पर चर्चा कर रहे हैं, पूरे तरीके से कर रहे हैं और आप कह रहे हैं कि चर्चा नहीं हो रही है। इससे ज्यादा चर्चा और क्या होगी? आपकी बात में contradiction है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, जिसे authentic बोलते हैं। सर, आपने authentic चर्चा नहीं करने दी।

श्री सभापतिः आपकी जानकारी authentic नहीं है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, शिक्षा मंत्री जी ने 20 जून, 2024 को मीडिया में कहा कि कानून नोटिफाई हो चुका है, जबकि वह नोटिफाई 21 जून को हुआ है और उसके दो दिन बाद नियम बने

हैं। सिर्फ cover up का काम हो रहा है। पिछले अनेक सालों में ऐसे मामले सामने आए, सरकार अगर ठोस कदम उठाती तो ये मामले रूकते। इसीलिए हमारी मांग है कि paper leak और एनटीए ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पूरी शिक्षा तंत्र की पारदर्शी तरीके से जांच होनी चाहिए। अगर इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हुई, तो आगे के लिए भी अच्छा होगा, चाहे सरकार किसी की भी हो, जब तक इसके रूल्स आप नहीं बनाएंगे, जब तक बच्चों के भविष्य की सुरक्षा नहीं करेंगे, तो यह एक बहुत बड़ा अन्याय उनके साथ होगा।

श्री सभापतिः खरगे जी, सुप्रीम कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट का काम करने दीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, यह मेरी राय है।

श्री सभापतिः हमारी तो गुज़ारिश रहेगी कि जो तीन स्तम्भ हैं, वे अपना-अपना कार्य ही करें। एक-दूसरे का काम नहीं करें।

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, please allow him to speak.

श्री सभापतिः आप मेरी बात से सहमत हैं न ! हर संस्था को अपना काम करना चाहिए। यदि संस्था अपने दायरे से बाहर जाती है, तो प्रजातंत्र खतरे में पड़ता है। यह सुझाव क्रांतिकारी है, इस पर ज्यादा विवेचन होना चाहिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, ठीक है। लेकिन यह मेरा विचार है, यह मेरा कहना है।

श्री सभापतिः आप बहुत सीनियर हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, आपका कहना अलग है। आप स्वतंत्र हो, मैं भी स्वतंत्र हूं, इसीलिए तो देश में सबको आज़ादी मिली है। हमारे यहां पर democracy है, Constitution है, हर एक को बात करने की आज़ादी है, आपको भी है, मुझे भी है।

श्री सभापतिः आप मेरी बात पर आज सोने से पहले थोड़ा गौर कीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः ओ.के. सर। हमारे गणतंत्र के संस्थापकों ने शिक्षा को समृद्धि की राह का सबसे शक्तिशाली उपकरण माना था। हमें आज़ादी मिली, तो दो साल में खड़गपुर में पहला आईआईटी बना। यूपीए सरकार ने आईआईटी और आईआईएम सहित उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी के छात्रों के लिए 27 परसेंट सीटें आरक्षित कीं। मौलाना आजाद फैलोशिप हमने शुरू की, जिसकी वजह के कमजोर तबकों के छात्रों को इन संस्थानों में जाकर पढ़ने का मौका मिला। इन सबका नतीजा था कि आज दुनियाभर में भारत के डाक्टर्स, इंजीनियर्स, साइंटिस्ट्स को सम्मान और नौकरियां मिलती हैं । और उनकी डिग्री की इज्जत होती है, इसीलिए मुझे यह कहना है कि

अगर डिग्री को इज्जत देनी है, तो ऐसी चीज़ों, जैसे घपले, घोटाले, आदि को बंद करना चाहिए। यदि मौजूदा हालात नहीं सुधरे, तो पूरी दुनिया में हमारी शिक्षा प्रणाली की क्रेडिबिलिटी खतरे में पड़ जाएगी, हर डिग्री पर संदेह होगा और हर डिग्री को लोग संशय की दृष्टि से देखेंगे। आपने इन दस सालों में जो शिक्षण प्रणाली शुरू की है - सर, अगर मैं आप बोल रहा हूं, तो आप इसका मतलब अपने आपको मत समझिएगा, मैं सरकार के लिए ऐसा बोल रहा हूं। †

MR. CHAIRMAN: This part, Khargeji, will not go on record.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः †

MR. CHAIRMAN: This part will not go on record. ...*(Interruptions)*...No. Khargeji, this part will not go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः †

श्री सभापति: खरगे जी, मैं इस पार्ट को भी एक्सपंज कर रहा हूं और ऐसा क्यों कर रहा हूं, वह भी आपको बता रहा हूं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः आप एक्सपंज क्यों कर रहे हैं?

श्री सभापति : मैं एक्सपंज क्यों कर रहा हूं, वह आपको बता रहा हूं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सभापति जी, आप एप्वाइंटमेंट्स की लिस्ट ले करके आइए। आपने सेक्रेटेरिएट में कितने लोग भरे हैं, वीसी के कितने लोग हैं, कौन-सी जाति के लोग हैं, प्रोफेसर्स कौन-सी जाति के हैं, सैंट्रल यूनिवर्सिटीज़ में कितने लोग हैं, आप इसकी लिस्ट लाइए। क्या उसमें कोई गरीब है? कोई दलित है उसमें, कोई पिछड़ा है उसमें? आप इसको देखिए - मैं यह बात कर रहा हूं। ..(**व्यवधान**)..

श्री सभापति : आप एक बार स्थान ग्रहण कीजिए। ..(**व्यवधान**)..

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः अगर आप मेरी इस बात को ठुकराते हैं, तो यह आपका विवेक है, मेरा नहीं।

---

† Not recorded.

श्री सभापतिः एक मिनट सुनिए। क्या किसी संस्था का सदस्य होना अपराध है? ..(**व्यवधान**).. आप यही कर रहे हैं। आप कब्ज़े जैसे शब्द का उपयोग कर रहे हैं। मैं इसके लिए आपको कैसे अलाऊ कर सकता हूं?

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः क्या?

श्री सभापति: आप कह रहे हैं कि एक संस्था ने कब्ज़ा कर लिया। ..(व्यवधान)..यह बिल्कुल गलत है। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति आरएसएस का सदस्य है, तो क्या यह अपने आप में अपराध है? यह किस बात से कम्युनल है? ..(व्यवधान).. यह एक संस्था है, राष्ट्र का कार्य कर रही है, राष्ट्रीय हित में कार्य कर रही है, इनके देश और दुनिया में प्रमाणित लोग हैं, जो देश के लिए योगदान दे रहे हैं। आप आज के दिन दुनिया में सबसे ज्यादा योग्यता उनमें देख सकते हैं। This will not go on record. Please continue. †

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः †...(**व्यवधान**)..

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः †

MR. CHAIRMAN: Khargeji, you are spoiling your own colleagues....*(Interruptions)*... No...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः †

MR. CHAIRMAN: Khargeji, one minute. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः यह मेरी राय है, यह मेरा विचार है। आप कोई भी शिक्षा दीजिए, मैं लेने के लिए तैयार हूं।..(**व्यवधान**)..

श्री जगत प्रकाश नड्डाः सभापति जी, लीडर ऑफ अपोजिशन ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बारे में जो कहा है, वह बहुत ही गैर-जिम्मेदाराना वक्तव्य है और उसे एक्सपंज करना चाहिए। ..(**व्यवधान**)..इन्हें संगठनों के बारे में ज़रा भी जानकारी नहीं है। सभापति महोदय, इसे एक्सपंज करना चाहिए।

---

† Not recorded.

MR. CHAIRMAN: It is already expunged. ...*(Interruptions)*... That is expunged. ...*(Interruptions)*... Khargeji, take the floor. ...*(Interruptions)*...

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, give the opportunity for right of expression. ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: No, Mr. Tiruchi Siva, right of expression does not extend to casting aspersions, to accusations, crossing all boundaries. There is an institution serving the nation, let us not forget.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : सर, सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बोलिए, आप बोलिए। ...(व्यवधान)... आप बैठिए। ...(व्यवधान)... आप बोलिए । ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: †...(**व्यवधान**)... और, यही लोग हैं। ...(व्यवधान)... वही लोग हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Khargeji, nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Khargeji, it will not go on record. ...*(Interruptions)*... You are not making your point. ...*(Interruptions)*... Khargeji, you are engaging, unfortunately, painfully, in bashing an organisation that is working for the nation tirelessly with national interest in mind. ...*(Interruptions)*... I would have expected a leader of your stature to say nothing but appreciate. ...*(Interruptions)*... As a senior man, don't find yourself will change. Your appreciation is needed. You must appreciate. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAGAT PRAKASH NADDA: I regret. ...*(Interruptions)*... यह जो वक्तव्य इन्होंने दिया, यह निंदनीय है, यह तथ्यों से परे है और इसे एक्सपंज करना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: It is expunged.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: आप सौ बार बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

---

† Not recorded.

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Khargeji, it will not go on record. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : † ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: This will not go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*.... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*...All aspersions are expunged. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, अग्निवीर जैसी अनप्लांड * योजना लाकर नौजवानों का मनोबल तोड़ दिया है। ...(**व्यवधान**)... इसे लेकर पूरे देश में नौजवानों का बड़ा आंदोलन हुआ, पर आपने किसी की नहीं सुनी। ...(**व्यवधान**)... मेरी माँग है कि अग्निवीर योजना खत्म की जाए। ...(**व्यवधान**)... साहब, आप तो जानते हैं, आप राजस्थान से आते हैं। ...(**व्यवधान**)... हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, यहाँ के नौजवान लोग इसी पर निर्भर हैं। ...(**व्यवधान**)... आप तो किसान के घर से आते हैं। ...(**व्यवधान**)... किसान को दूसरी नौकरी नहीं मिलती है। ...(**व्यवधान**)... या तो वह खेती करेगा और वह नहीं है, तो फौज में भर्ती होगा। क्या आप अपने बच्चों को ऐसा करने देंगे? साहब, मैं आपसे पूछता हूँ, उनसे नहीं पूछता हूँ, क्योंकि उनसे पूछूँगा, तो वे लोग एकदम भड़क जाएंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मुझ से पूछा है, तो दो मिनट सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... मुझ से पूछा है, तो दो मिनट सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, कभी लड़े नहीं देश के लिए, कभी मरे नहीं देश के लिए और वे हमें देशभक्ति का पाठ सिखाते हैं! ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: खरगे जी, आज किसान का बेटा साइंटिस्ट है, अधिकारी है, उद्योगपति है, पार्लियामेंटेरियन भी है, सांसद भी है, देश की अर्थव्यवस्था में योगदान कर रहा है।...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: हमारी वजह से है। ...(**व्यवधान**)... हमारी वजह से है। ...(**व्यवधान**)... हमारी वजह से है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: किसान को छोटे दायरे में मत देखिए। ...(**व्यवधान**)... किसान के सच्चे हितैषी बनिए। ...(**व्यवधान**)... किसान के सच्चे हितैषी बनेंगे, तब आपको समझ में आएगा। ...(**व्यवधान**)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः हमने बनाया। ...(**व्यवधान**)... आईआईटीज़ हमने बनाईं। ...(**व्यवधान**)... यूजीसी हमने बनाया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मैं किसान का बेटा हूँ। ...(**व्यवधान**)... मैं जानता हूँ कि किसान आज कहाँ पर है। ...(**व्यवधान**)... किसान किसने बनाया। ...(**व्यवधान**)... आप ऐसा मत कहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटीज़ हमने बनाईं। ...(**व्यवधान**)... ग्रीन Revolution हम लाए। ...(**व्यवधान**)... White Revolution हम लाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मुझसे पूछा, इसलिए मैंने बताया। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः हमने जो संस्थाएं बनाई थीं, हरेक बच्चा वहाँ पढ़ा है। ...(**व्यवधान**)... यहाँ आरएसएस के यहाँ नहीं। ...(**व्यवधान**)... साहब, हमें क्या सिखा रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी, जानकारी लीजिए। ...(**व्यवधान**)... जो रिजल्ट आते हैं, जो योग्यता में आगे रहते हैं, उनके अंदर किसान परिवार की कितनी बड़ी भागीदारी है, आपको अंदाजा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... सरकारी तंत्र में किसान की भागीदारी है। ...(**व्यवधान**)... किसान देश के लिए बहुत करिश्मा कर रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः 27 परसेंट की भागीदारी हमने दी। ...(**व्यवधान**)... 27 परसेंट की भागीदारी हमने दी। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः चाहे सेना हो... ...(**व्यवधान**)... किसान के योगदान का कम आकलन मत कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः एससी-एसटीज़ को रिजर्वेशन हमने दिया। ...(**व्यवधान**)... आदिवासियों को रिजर्वेशन हमने दिया। ...(**व्यवधान**)... आप सिर्फ तोड़ने की बात करते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः किसान का योगदान रीढ़ की हड्डी है। ...(व्यवधान)... प्लीज़। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मोदी जी ने 2014 में हरियाणा में वन रैंक, वन पेंशन का वादा किया, लेकिन आप तो नो रैंक, नो पेंशन पर उतर गए हैं। ...(**व्यवधान**)... सैनिक स्कूल सरकारी क्षेत्र में बने थे ...(**व्यवधान**)... *...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: This is expunged.

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे : * **...(व्यवधान)...**

MR. CHAIRMAN: Khargeji, please, it is expunged. ***...(Interruptions)...*** Totally expunged. ***...(Interruptions)...***

मल्लिकार्जुन खरगेः साहब, दिया है।...(**व्यवधान**)... उन्हें सौंपा गया है। ...(**व्यवधान**)... सर, दिया है ...(**व्यवधान**)... उनको सौंपा गया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी, मैं आपसे एक बात पर विचार करने का आग्रह कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... खरगे जी, मैं आपसे एक बात के लिए आग्रह कर रहा हूं कि आप मेरी बात को ध्यान से सुनिए। क्या इस देश में हर व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वह इस देश की विकास गंगा के अंदर भागीदार हो। ...(**व्यवधान**)... क्या हर व्यक्ति को अधिकार नहीं है कि उस हवन में अपनी आहुति दे। आप कह क्या रहे हैं ...(**व्यवधान**)... मैं सैनिक स्कूल का छात्र हूं। मैं उन स्कूलों में गया हूं। मैंने देखा है कि वहां क्या कुछ हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... दुर्भाग्य की बात है, शायद आप एक भी सैनिक स्कूल में नहीं गए हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं सैनिक स्कूल में गया हूं। ...(**व्यवधान**)... मैं इसका अध्ययन कर रहा हूं। आप समाज के एक वर्ग को हर काम से दूर रखना चाहते हैं। यह मानसिकता भारत के संविधान के अंदर सही नहीं है। आप इस पर विचार कीजिए। ...(**व्यवधान**)... एक नाम आते ही आप एकदम कहते हैं कि यह क्यों किया। ...(**व्यवधान**)... यह ठीक नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः साहब देखिए, यह मेरी राय है। यह मेरी राय कायम रहेगी, जब तक इस देश में जातिवाद है, छुआछूत है, तब तक यह कायम रहेगी। ...(**व्यवधान**)... अगर ऐसे ही सब कुछ निजी क्षेत्र को सौंपते रहे, तो गरीब, वंचित, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्गों से आने वाले बच्चे कहां पढ़ेंगे? ...(**व्यवधान**)... फौज को फौज रहने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... फौज को फौज रहने दीजिए, राजनीति करने के लिए इस देश में बहुत से विषय पड़े हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHIARMAN: Please take your seats. ***...(Interruptions)...***

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: हर 15 मिनट में दलितों के खिलाफ एक बड़ा अपराध घटता है। ...(**व्यवधान**)...हर दिन 6 दलित महिलाओं का बलात्कार होता है। ...(**व्यवधान**)... यह स्टैटिस्टिक्स हैं ...(**व्यवधान**)... यह महज नम्बर नहीं है। यह असली लोग हैं, जो सालों से भेदभाव झेलते आ रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आज भी हालत सुधरे नहीं हैं।

श्री सभापतिः खरगे जी, यह कार्यकर्ता का भाषण है। ...(**व्यवधान**)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: मैं देश का ध्यान सिर्फ कुछ मामलों की तरफ खींचना चाहता हूं। * ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: It will be expunged. ...*(Interruptions)*... Khargeji, it will be expunged. ...*(Interruptions)*... Khargeji, this is expunged. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सितम्बर 2023 में, मध्य प्रदेश के अनूपपुर में बीजेपी नेता ने बुजुर्ग **आदि**वासी को सरेआम चप्पलों से पीटा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः 2023 में गुजरात के मोरबी में दलित युवक को तनख्वाह मांगने पर लोगों ने पीटा था और मुंह से सैंडिल उठाने के लिए भी मजबूर किया। ...(**व्यवधान**)... 2023 में मध्य प्रदेश में दुकान में पानी पीने पर दलित युवक से मारपीट हुई। ...(**व्यवधान**)... 2024 में गुजरात के गांधी नगर में शादी के दौरान एक दलित युवक को पीटा गया और घोड़ी से उतारा गया। ...(**व्यवधान**)... यू.पी. के बरेली में दलित युवक को दो होमगार्ड्स ने पीटा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः प्लीज़ ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः मध्य प्रदेश के सागर में यौन उत्पीड़न के आरोप के चलते पहले भाई और चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और फिर दलित महिला की भी मौत हो गई। ...(**व्यवधान**)... 2024 में यू.पी. के फिरोजाबाद की जेल में दलित युवक की मौत हो गई। ...(**व्यवधान**)... 2024 में मध्य प्रदेश के छतरपुर में दलित युवक को बेल्ट से पीटा गया। ...(**व्यवधान**)... जून, 2024 में गुजरात के जूनागढ़ में बीजेपी विधायक के बेटे पर दलित युवक के साथ मारपीट करने का आरोप लगा। ...(**व्यवधान**)... मैंने इन घटनाओं का जिक्र करना जरूर समझा ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please ***...(Interruptions)...*** He is the Leader of the Opposition. He has chosen to read out the incidents related to ***...(Interruptions)...***

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: ताकि देश समझ पाए कि 21वीं सदी के भारत की एक सच्चाई यह भी है।...(**व्यवधान**)... सर, मैंने इन घटनाओं का जिक्र इसलिए करना जरूरी समझा ताकि देश समझ पाए कि 21वीं सदी के भारत की एक सच्चाई यह भी है। सभापति जी, सामाजिक न्याय का मुद्दा लोगों के दिल का मुद्दा है। इस तरफ ध्यान देना जरूरी है, इसीलिए मैंने ये बातें आपके सामने

* Expunged as ordered by the Chair.

रखीं। लंबे समय से जाति जनगणना की माँग है, लेकिन ...(**व्यवधान**)... सरकार इसको करने नहीं दे रही है। ...(**व्यवधान**)... लेकिन अगर यह जाति जनगणना हो गई, ...(**व्यवधान**)... तो हरेक को, अपने-अपने लोगों को ...(**व्यवधान**)... उनकी जो जरूरतें हैं, वे पूरी हो जाएँगी। ...(**व्यवधान**)... इससे विभिन्न समुदायों की दशा का आकलन हो सकता है। ...(**व्यवधान**)... चुनौतियों को काबू में लाने की रणनीति इसी से बन सकती है। ...(**व्यवधान**)... इस मुद्दे पर जितनी देरी होगी, उतनी गरीब और कमजोर तबकों के लिए, उनके हितों के लिए चोट लगेगी।

सभापति जी, आप किसान परिवार से आते हैं। उनकी स्थिति अच्छी है, आप जानते हैं! ...(**व्यवधान**)... किसानों की हालत आज पहले से अधिक खराब है। 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किसने किया था? ...(**व्यवधान**)... पर उल्टे उनकी खेती की लागत बढ़ गई है। Ministry of Statistics and Programme Implementation का Situation Assessment Survey of 2018-19, यह मेरा नहीं है। मैं और एक बार पढ़ता हूँ। Ministry of Statistics and Programme Implementation का Situation Assessment Survey of 2018-19 आप देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि एक किसान खेती से दिन में केवल 27 रुपए कमाता है। यह Statistics Department का है, मेरा नहीं है। MSP Guarantee कानून बनाने की माँग देश भर के किसान संगठन कर रहे हैं। आप इस पर कमिटी बनाइए, MSP Guarantee कानून बनाइए, पहल कीजिए, विपक्षी दल इस पर सरकार का साथ देने के लिए तैयार है।

देश की राष्ट्रीय सुरक्षा पर बड़ा खतरा, जम्मू-कश्मीर में एक ही महीने में लगातार तीन आतंकी हमले हुए। मणिपुर 3 मई, 2023 से जल रहा है। राहुल जी मणिपुर के लोगों के साथ खड़े रहे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा उन्होंने मणिपुर से शुरू की। ...(**व्यवधान**)... इंडिया गठबंधन के सांसद मणिपुर गए। ...(**व्यवधान**)... इन सांसदों का अनुभव सरकार सुन सकती थी, पर सरकार राजनीतिक लाभ में लगी रही। अभिभाषण में मणिपुर पर चिंता नहीं दिखाई दी, इसीलिए आपका वहाँ पर सफाया हो गया है। *

MR. CHAIRMAN: Khargeji, nothing will go on record. Khargeji, it will not go on record.

श्री मल्लिकार्जुन खरगे:*

MR. CHAIRMAN: Khargeji, on the one hand, you are sparing no words of condemnation; on the other hand, you are saying this!... *(Interruptions)*... Consistent रहिए न! ...(**व्यवधान**)... Consistent रहिए न! ...(**व्यवधान**)...

* Not recorded.

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः*

श्री सभापतिः मैं कह रहा हूँ, मैं आपसे आग्रह करूँगा कि आप मोहन भागवत जी का हर भाषण पढ़िए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः*

श्री सभापतिः नहीं, नहीं, आप मोहन भागवत जी का हर भाषण पढ़ लीजिए, ज्ञान ही मिलेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे :*

MR. CHAIRMAN: I delete these observations. This is reprehensible. As a matter of fact, this is absolutely not correct.

1.00 **P.M.**

Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...*** Khargeji, ***...(Interruptions)...***

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सभापति जी, ...(**व्यवधान**)... इसी बीच एक बड़ा घोटाला सामने आया है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: जिसे सरकार ने दबाने की कोशिश की।

MR. CHAIRMAN: Khargeji, you have made a highly contemptuous observation, violating the dignity of this House. ***...(Interruptions)...***

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: What?

श्री सभापति: आपने कहा कि... ...(**व्यवधान**)... No; this is deleted. ***...(Interruptions)...*** I take exception to it. ***...(Interruptions)...***

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, मैं आपको नहीं बोल रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... *

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: This is absolutely unacceptable. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। जब चेयरमैन साहब बोल रहे हैं, तो आपको नहीं बोलना चाहिए। सर, 19 मई को प्रधान मंत्री जी ने कहा कि stock market तेजी से आगे बढ़ने जा रही है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: One minute. ...*(Interruptions)*... Khargeji,.. ...*(Interruptions)*...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: होम मिनिस्टर ने कहा कि 'Buy shares before 4th June.'

MR. CHAIRMAN: One minute. I have to take note of the time. The House will continue during lunch recess also in these deliberations. Khargeji, continue. देखिए, मैं आपका flow नहीं तोड़ रहा हूँ। आपके flow के लिए lunch recess रद्द कर दी गई है। ...(**व्यवधान**)... Lunch recess रद्द कर दी गई है।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, वे क्या करते हैं कि कभी-कभी हमारे शरीर में से दिल ही निकाल लेते हैं, कभी भेजा निकाल लेते हैं, इसलिए ज़रा मुश्किल हो जाती है।

श्री सभापति: आज के दिन आपने जो बयानी की है, वह आपकी नहीं हो सकती। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: बहुत बढ़िया। ...(**व्यवधान**)... बहुत बढ़िया। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वह आपकी नहीं हो सकती। ...(**व्यवधान**)... आपकी नहीं हो सकती। ...(**व्यवधान**)... आप लिखी हुई बात पढ़ रहे हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सभापति जी, इसी बीच एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसे सरकार ने दबाने की कोशिश की है। 19 मई को प्रधान मंत्री जी ने कहा कि stock market तेजी से आगे बढ़ने जा रही है। होम मिनिस्टर ने कहा कि 'Buy shares before 4th June.' वाह! ये बहुत सी कम्पनियों की marketing करते हैं। ऐसी भाषा उन्होंने उपयोग की।

सर, exit poll आया और 3 जून को stock market ने सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए, परन्तु 4 जून को stock market एकदम गिर गयी। निवेशकों को 30 लाख करोड़ का नुकसान हुआ। इसका कौन जिम्मेदार है? ...(**व्यवधान**)... इसका कौन जिम्मेदार है? ...(**व्यवधान**)... प्रधान मंत्री और गृह मंत्री जिम्मेदार हैं। क्या आप उनको सबक सिखाएँगे कि इतने लोगों के पैसे गये? आप 4 जून को देखिए। क्या देखें? सब शेयर्स धड़ाधड़- धड़ाधड़ गिर गये। ...(**व्यवधान**)...

सर, आखिर में मैं चंद बातें देश की लाइफलाइन, भारतीय रेल पर भी कहना चाहूँगा। हाल में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना हुई। उससे पहले बालासोर दुर्घटना भी हुई थी। हमारी रेल रोज ऑस्ट्रेलिया की आबादी के बराबर मुसाफिरों को ले जाती है। देश को एक तरफ ...(**व्यवधान**)...

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश)**:** सर ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः आपके पिताजी को रिसीव करने के लिए हम रेल में ही जाते थे। ...(**व्यवधान**)... गुलबर्गा में एयरपोर्ट नहीं था, तो हम ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी**...** ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, यह देखिए। ...(**व्यवधान**)... 1971 में इनके पिताजी को और हम सबको धारा 144 में अन्दर कर दिया था। ...(**व्यवधान**)... Young turks थे। हम सब उस वक्त यंग थे। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: खरगे जी, ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। खरगे जी एक महत्वपूर्ण बात कह रहे हैं। खरगे जी, आप क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... किनको अन्दर कर दिया था?

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: सर, 1971 में ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इनको सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, 1971 में चंद्रशेखर, मोहन आर्य, कृष्णकांत और जो young turks का ग्रुप था, ये सब लोग हमारे यहाँ गुलबर्गा में आए थे। इन्होंने धारा 144 तोड़ दी। उस वक्त हम ही वहाँ पर ब्लॉक प्रेजिडेंट थे, तो एक-दो घंटे के लिए हमको भी अन्दर डाला और इनको भी अन्दर डाला और फिर बाद में छोड़ दिया। तो 4 बार गुलबर्गा आना पड़ा। तब वहाँ विमान सेवा नहीं थी, रेल ही थी। इसलिए आप ऐसा मत बोलिए। मैं आपके पिताजी की वजह से आपकी इज्जत करता हूँ। ...(**व्यवधान**)... बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

सर, हमारी रेल रोज ऑस्ट्रेलिया की आबादी के बराबर मुसाफिरों को ले जाती है। देश को एक तरफ हाई स्पीड ट्रेन और बुलेट ट्रेन का सपना दिखाया जा रहा है, दूसरी तरफ सरकार नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही है। अगर किसी दुर्घटना पर हम सवाल उठाते हैं, तो उसका जवाब यह मिलता है कि आपके जमाने में कितनी दुर्घटनाएँ हुई थीं, कितनी ऐसी घटनाएँ हुई थीं। इस तरह से उनकी गिनती होती है। आप अच्छे कामों की गिनती कीजिए। पहले जो हुआ, वही बात बार-बार दोहराने से देश आगे नहीं बढ़ता है। अच्छा होगा कि सबसे पहले रेलवे में जो तीन लाख से अधिक वैकैंसीज़ खाली हैं, उनको भरने का काम कीजिए। इससे एससी, एसटी आदि सभी को मौका मिलेगा। मैं खास करके यह विनती करूँगा कि जहाँ पर वैकैंसीज़ हैं, लाखों वैकैंसीज़ हैं, सरकार उनको भरे।...(**व्यवधान**)...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, what is this? He is not yielding. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापतिः चूँकि वैकेंसीज़ की बात है, इसलिए Hon. Railway Minister, on vacancies. ...*(Interruptions)*... Go ahead. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, he is not yielding. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापतिः एक सेकंड, एक सेकंड ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAIRAM RAMESH: Sir, he is not yielding. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापतिः प्रमोद जी, आपने बहुत डिबेट्स देखी हैं।...(**व्यवधान**)... एक फैक्ट है, उसका clarification होने दीजिए।...(**व्यवधान**)...

रेल मंत्री; **सूचना और प्रसारण मंत्री**'; **और इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** (**श्री अश्विनी वैष्णव**): माननीय सभापति जी, पिछले 10 वर्षों में करीब 5 लाख लोगों को भर्ती किया गया है।...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, मेरा पाँच मिनट में खत्म हो जाएगा।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: After five minutes. ...*(Interruptions)*...

श्री अश्विनी वैष्णवः सर, अगर यूपीए के 10 साल देखें, तो उससे ज्यादा वैकेंसीज़ पर भर्ती की गई है।...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, पिछले 10 सालों में गरीब आदमी सरकार की सोच से बाहर है। सरकार चंद अमीरों के बारे में सोचती है। महँगाई ने गरीबों का बजट बिगाड़ दिया है। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी सिलेंडर, फर्टीलाइजर, पेस्टिसाइड्स, मिल्क प्रोडक्ट्स आदि के बढ़ते दामों से आम आदमी के घर का बजट ही बिगड़ गया है। मैं आपसे यह निवेदन करता हूँ कि ऐसी जरूरी चीजों पर गवर्नमेंट को ध्यान देना चाहिए। लेकिन वह उसके बजाय सिर्फ कैसे प्रतिउत्तर देना, कैसे टोकना है - ये सब काम करती है। यह आपका काम नहीं है। हम अपोज़िशन में हैं, तो हम आपकी कमियों को दिखाते हैं और आप अपनी कमियाँ छिपाने के लिए * बोलते हैं। आप कितने * बोलेंगे? ...(**व्यवधान**)... इसलिए मैं कहता हूँ कि ये * बोलते-बोलते * हो गए हैं।...(**व्यवधान**)...

सर, 2014 के लोक सभा चुनाव में मोदी जी का नारा था - 'घटेगी महँगाई, बढ़ेगी कमाई', लेकिन गाँव-देहात के लोगों, गरीबों, किसानों, मजदूरों का जीना मुश्किल कर दिया है। रोजमर्रा

---

* Expunged as ordered by the Chair.

की चीजों पर जीएसटी लगा कर उनको और महँगा कर दिया है। ऐसा करने और ऐसा कहने वाले लोगों से मैं यह निवेदन करूँगा कि पहले आप काम कीजिए, उसके बाद आप अपनी उपलब्धि बता कर उसका क्रेडिट लीजिए।

सर, मैं गाँधी जी के एक क्वोट को यहाँ पर पेश करता हूँ। गाँधी जी ने कहा था, "मैं ऐसे भारत के निर्माण के लिए कोशिश करूँगा, जिसमें गरीब-से-गरीब आदमी भी महसूस करेंगे कि यह देश उनका है, जिसमें उनकी आवाज़ का महत्व होगा। जहाँ ऊँच-नीच का भेद नहीं होगा तथा स्त्रियों को भी वही अधिकार मिलेगा, जो पुरुषों को प्राप्त होगा।" हमें मिल कर सोचना है कि राष्ट्रपिता ने जो विज़न रखा था, उस दिशा में हम कितना आगे बढ़े हैं।

सर, आखिर में, मैं अपनी बात समाप्त करने से पहले केवल एक निवेदन करूँगा। लखनऊ के नेता, त्रिवेदी जी ने पं. जवाहरलाल नेहरू जी के बारे में बहुत सारी बातें बतायीं, जैसे मनमाने कानून पारित किए, आदि सब कुछ हैं, मैं इन पर ज्यादा नहीं बोलना चाहता हूँ। मैं आखिर में अपनी एक ही बात कहूँगा।

श्री सभापतिः श्रीमान् नेहरू जी का क्वोट।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, वही मेरे हाथ में है। सर, इसी हाउस में बीजेपी के एक वक्ता ने, मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूँ, नहीं तो फिर वे उठ जाएंगे। इसी हाउस में बीजेपी के एक वक्ता ने क्या कुछ अपमानजनक बातें प्रथम प्रधान मंत्री और महान सेनानी नेहरू जी के बारे में कहीं, प्रोसीडिंग्स में वह है। बीजेपी के लोगों ने अगर अटल जी को ही पढ़ लिया होता, तो वे ऐसा जहरीला भाव नहीं दिखाते। 17 अगस्त, 1994 को अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि "नेहरू जी ने विपक्ष की मांग पर अपने सहायक एम.ओ. मथाई को हटाने का फैसला तुरंत कर लिया था।" इसको सुनिए साहब। नेहरू जी ने सदन में कहा कि "जब सदन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह महसूस करता हो कि कुछ न कुछ किया ही जाना चाहिए, तब बहुमत के लिए यह कतई उचित नहीं है कि सदन की इच्छा को दरकिनार कर दिया जाए।"

यही नहीं, नेहरू जी के निधन पर 19 मई, 1964 को राज्य सभा में अटल जी ने जो भाषण दिया, वह उनके दिल से निकली हुई बातें थीं और आपकी जैसी जहरीली बातें नहीं थीं। ...(**व्यवधान**)... उन्होंने कहा था, "मानवता आज खिन्न है, उसका पुजारी सो गया। शांति आज अशांत है, उसका रक्षक चला गया। दलितों का सहारा छूट गया, जन-जन की आँख का तारा टूट गया। वे शांति के पुजारी, किंतु क्रांति के अग्रदूत थे।" ये मेरे वर्ड्स नहीं हैं, वाजपेयी जी के हैं। "वे अहिंसा के उपासक थे, किंतु स्वाधीनता और सम्मान की रक्षा के लिए हर हथियार से लड़ने के हिमायती थे। वे व्यक्तिगत स्वाधीनता के समर्थक थे, किंतु आर्थिक समानता लाने के लिए प्रतिबद्ध थे।" अटल जी का यह लम्बा भाषण है, मैं संक्षेप में चंद बातें आपके सामने रखूँगा। "वह व्यक्तित्व, वह जिंदादिली, विरोधी को भी साथ लेकर चलने की वह भावना -- सर, एक बार और पढ़ूँ?

श्री सभापतिः पूरा पढ़िए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः "वह व्यक्तित्व, वह जिंदादिली, विरोधी को भी साथ लेकर चलने की वह भावना, वह सज्जनता, वह महानता शायद निकट भविष्य में देखने को नहीं मिलेगी। उनकी देशभक्ति के प्रति और उनके अटूट साहस के प्रति हमारे हृदय में आदर के अतिरिक्त और कुछ नहीं है।"

सर, ये वाजपेयी जी के शब्द हैं। अगर प्रोसीडिंग्स पढ़ेंगे, तो पता चलेगा कि अटल जी की विचारधारा और नेहरू जी की सोच अलग थी, लेकिन * नेहरू जी बेशक संपन्न परिवार में पैदा हुए, लेकिन आज़ादी की लड़ाई में वे 3,259 दिन, यानी करीब 9 साल जेल में रहे। नेहरू जी जब 1929 में काँग्रेस अध्यक्ष बने तो उन्होंने फंडामेंटल राइट्स और इकोनॉमिक पालिसी पर काम शुरू किया था। काँग्रेस के कराची अधिवेशन में इस पर प्रस्ताव पास हुआ, लेकिन यह विज़न आरएसएस को पसंद नहीं आया। दिसंबर, 1947 में मुख्य मंत्रियों को पत्र लिखकर नेहरू जी ने चेतावनी देते हुए कहा कि हमारे पास दिखाने के लिए बहुत सारे सबूत हैं कि आरएसएस एक निजी सेना की प्रकृति का संगठन है। वह नाज़ी लाइन पर आगे बढ़ रहा है, हालांकि उसके नेता खुले तौर पर कहते हैं कि वह एक राजनीतिक निकाय नहीं है, लेकिन उसकी नीति और कार्यक्रम राजनीतिक और अत्यधिक साम्प्रदायिक एवं हिंसक गतिविधियों पर आधारित हैं। यह मैंने नहीं कहा, यह जवाहरलाल नेहरू जी ने जो चीफ मिनिस्टर्स को लैटर लिखा था, वह है और अटल बिहारी वाजपेयी जी ने नेहरू जी के बारे में जो बात कही थी, वह है।

श्री सभापति: आप यह भी बता दीजिए कि अटल बिहारी वाजपेयी जी का स्रोत क्या था, अटल बिहारी वाजपेयी जी कौन से संगठन के थे, यह भी बता दीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः वे जनसंघ के थे, ...(**व्यवधान**)... आप ज़रा चुप बैठो ...(**व्यवधान**)... इनके पास आरएसएस, वाजपेयी जी के...

श्री सभापतिः अटल बिहारी वाजपेयी जी के काफी भाषण हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः अगर अटल बिहारी वाजपेयी जी जैसे नेता होते तो यह नौबत ही नहीं आती - मंगलसूत्र, भैंस लेना, ज़मीन लेना आदि शब्द नहीं आते। ये अलग हैं, वे अलग थे, इसलिए एक-दूसरे को कम्पेयर मत करो। तुम्हारा काम है सबको तोड़ना और हमारा काम है जोड़ना। इन्ही शब्दों के साथ मैं अपने भाषण को समाप्त करता हूं, धन्यवाद।

डा. सुधांशु त्रिवेदीः सर,...

MR. CHAIRMAN: Before that, I think, Mr. Ashwini Vaishnaw wants to make an intervention.**श्री अश्विनी वैष्णव**: सर, मैंने कह दिया था।

---

* Expunged as ordered by the Chair.

MR. CHAIRMAN: Okay. Yes, Mr. Dwivedi, do you want to say something? One second.

डा. सुधांशु त्रिवेदीः सर, मेरा reference दो-तीन बार आया, मैं reverse जवाब देता हूं। सर, मैंने जवाहरलाल नेहरू जी के बारे में कोई ज़हरीली बात नहीं कही। मैंने जो बातें क्वोट कीं ...(**व्यवधान**)... सर, मेरी प्रोसीडिंग्स ...(**व्यवधान**)... सर, पूरी बात सुन लीजिए। ...(**व्यवधान**)... सर, पूरी प्रोसीडिंग्स निकाल कर देख लें, मैंने सिर्फ चार कांग्रेस के नेताओं को क्वोट किया।

श्री सभापतिः सुधांशु त्रिवेदी जी, 90 मिनट के भाषण में विपक्ष के नेता ने बहुत सी बातें कही हैं, पर उन बातों में एक खास बात है कि इनके दिल पर एक ही बात छाई रही है, जो उन्होंने कही है। आप सही समय पर जवाब दीजिए।

डा. सुधांशु त्रिवेदीः सर, मैं दो-तीन लाइनों में जवाब दूंगा। नम्बर वन, मैंने सिर्फ कांग्रेस के नेताओं को क्वोट किया। सर, आरएसएस के वर्कर...

MR. CHAIRMAN: Shri Jawhar Sircar. *...(Interruptions)...* As a mark of respect for the Leader of the Opposition, I had continued beyond 1.00 p.m. The House will meet again today at 2.15 p.m. so that you have your lunch recess also. It was as a mark of respect for the Leader of the Opposition that we continued beyond 1.00 p.m. The House is adjourned.

The House then adjourned at eighteen minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at fifteen minutes past two of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair.

डा. सुधांशु त्रिवेदी (उत्तर प्रदेश)**:** महोदय, माननीय नेता प्रतिपक्ष महोदय ने मेरा नाम लेकर कुछ बातों को कहा था, तो मैं वह वाला प्वाइंट स्पष्ट कर देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि शायद हम आरएसएस के बैकग्राउंड से नहीं हैं, तो मैं बता देना चाहता हूं कि मैं छात्र जीवन से खंड कार्यवाह, क्षेत्र खंड का बौद्धिक प्रमुख और विश्व संवाद केंद्र पत्रिका में संपादक भी रहा, जिसमें डा. दिनेश शर्मा भी थे, जो इस सदन के सदस्य हैं। सर, जहां तक संघ से रिलेशनशिप की बात है, तो मैं उनके लिए एक लाइन कहना चाहूंगा, जो हम लोगों से बहुत पूछते हैं कि-

"तू यह कहता है कि रिश्तों की दुहाई देंगे,
गौर से देख, हर चेहरे में दिखाई देंगे,
हम तो महसूस किए जाते हैं खुशबू की तरह
कोई शोर नहीं है, जो सुनाई देंगे।।"

मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मैंने पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के लिए किसी प्रकार की कोई नेगेटिव बात नहीं बोली थी। मैंने जो क्वोट किया था, वह कांग्रेस के ही पूर्व अध्यक्षों को क्वोट किया था। मैं पुनः कह देना चाहता हूं कि मैंने मौलाना आजाद की किताब India Wins Freedom को क्वोट किया था, जिसमें पेज नंबर 120 से 130 पर देख लें कि मौलाना आजाद लिखते हैं कि "नेहरू जी किसी दूसरे की प्रशंसा बरदाश्त नहीं कर पाते थे।" मैंने तब नहीं बोला था, लेकिन अब मैं बोल रहा हूं, जो उन्होंने कहा था। दूसरा, कृपलानी जी की किताब Gandhi his Life and Thought पर पेज 245-255 के बीच में जाकर पढ़ लीजिए, जिसमें उन्होंने कहा कि मेरा प्रस्ताव करना - जिन्होंने नाम प्रस्तावित किया था, वह एक दुर्घटना थी। राजमोहन गांधी जी, जो महात्मा गांधी के ग्रैंडसन थे, उनकी किताब 'सरदार पटेल' को मैंने क्वोट किया था और कुछ भी क्वोट नहीं किया था। एक मैं उनका संशोधन करना चाहता हूं कि 1959 में कम्युनिस्टों की आपत्ति पर एम.ओ. मथाई को निकाला गया था, चूंकि वे यूएस आर्मी में काम कर चुके थे और उनका अटल बिहारी वाजपेयी जी से कुछ लेना-देना नहीं था। मैं अपनी तरफ से सिर्फ ये दो फैक्ट्स सही करना चाहता था।

श्री सभापति: सुधांशु जी, आपको तो संतोष होना चाहिए कि प्रतिपक्ष के नेता ने अपने भाषण में आपका जिक्र किया, आपकी बातों का उल्लेख किया। यह तभी होता है, जब आपका भाषण सशक्त है। Hon. Members, not many are present here; when the Chairman, during course of a debate, deletes a portion, reporting of that portion and continual reporting of that portion is contempt, is breach of privilege of the House. While the Leader of the Opposition was making his address to this House, I had, from the Chair, deleted certain portions. It is unfortunate that from the official handle of the party, there is propagation of the deleted portion. This cannot be countenanced. We have to follow some kind of a procedure. Maybe, there is an issue with deletion, but once there is a direction from the Chair that a portion has been deleted and you continue to propagate it and that too from official handle, then, not only do I deprecate, but I urge the Leader of the Opposition and his party to take note of it. It is a situation, if we outrage it, we will be heading towards something very different. Deletion takes place when the Chair, in its wisdom and discretion, takes a call, which means there should be no publication of that, and that dissemination is taking place after the direction. This is regrettable, reprehensible, and I urge that this should not happen again.

Now, Shri Jawhar Sircar, on the Motion of Thanks on President's Address. Mr. Sircar, there is allocation of 15 minutes for you.

SHRI JAWHAR SIRCAR (West Bengal): Thank you, Sir. I am sure, Sir, you will give me some extra time because others have had. My only request is that I be allowed to speak without interruption because I am going to speak on very factual basis. It is a speech made by the President of India based on inputs given by the Government and

there are certain comments on it. I will start with paragraph 3 where the President talks about good governance. I look at my friends on both sides and ask them this.

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair*.)

When you visit a *sarkari* office, do you see this good governance? Or have the rates gone up? This is just an open question. Do you see good governance in *sarkari* offices? Or do you see certain other obstructions? Instead of going by a statement made in the President's Address, I will take up an international comparison given by the World Bank. The World Bank's Government Efficiency Index puts India at number 66. It is the lowest when it comes to developed countries. We are behind Botswana, Fiji, Mauritius, Lithuania, Latvia, etc. We are behind these countries. If we would have spent more time on actual governance, rather than on advertising slogans and taglines made by ad agencies for boosting the image, things could have taken place in the last ten years.

The second part relates to the continuous drumming of GDP and that we are the fifth largest GDP country in the world. I admit that. लेकिन जब जीडीपी का पानी पिएंगे, तो याद करना, किसने वे कुएं खोदे थे? Who built the foundation for this GDP? We talk of five trillion dollar economy by 2024. It was a promise made by the Prime Minister. We are in 2024. And we are nowhere near four trillion dollars. पांच ट्रिलियन की बात तो छोड़िए, चार ट्रिलियन तक नहीं पहुंचा, कोई बात नहीं, कोई बात नहीं। We all will make it. But the way we compute GDP, it is the gross wealth of the nation as a whole, which includes the obscene degrees of wealth accumulated during the ten years by the oligarchs and big houses. This is a Government, as everyone knows, for the rich and by the rich. We talk of GDP in terms of you and me, which is per capita GDP. In terms of per capita GDP, India's rank is 120 in the world with only 2,400 dollars. That's all. We must understand ...(*Interruptions*)...

श्री घनश्याम तिवाड़ी (राजस्थान): सर, माननीय सदस्य ...(**व्यवधान**)...

SHRI JAWHAR SIRCAR: I am quoting it. I can give it any time.

श्री उपसभापति: प्लीज़, आपस में बात मत करिए। आप बोलिए।

SHRI JAWHAR SIRCAR: We are one of the lowest in terms of per capita GDP in the world. It is an established fact. You can look up whatever you want. But this GDP is the GDP of Ambani, Adani, Jindal and Vedanta's Agarwal (AAJA). This is what I call

AAJA GDP. हम लोग तो हैं 'जा-जा जीडीपी'। We belong to the *ja ja* group of GDP. जाओ तुम लोग। याद रखिए, inequality has reached insane proportions under this Government. International reports say that inequality is far worse than in colonial times. आप लोग बात-बात पर colonial बोलते हैं!

The second point that I want to raise is on paragraph 4 of the hon. President's Address which is, 'My Government's Budget'. Sir, let me humbly submit this. As I stand before you, there is an economic blockade of West Bengal. I am using the term, economic blockade of Bengal. There are many opposition States that are suffering from pinches and cuts. But as far as Bengal is concerned, we have been stopped from Rs.1.23 lakh crores for MGNREGA, PM-JAY, PM Gram Sadak Yojana, NHM Central subsidy, etc. If we add the figure of 40,000 in the last two years, this makes it a total of Rs.1,71,000 crores of deprivation. We are specially targeted. The people whose houses had been devasted by cyclone Amphan, Yaas, Bulbul, etc., they have not received any compensation. An amount of Rs.870 crore of health sector funds are illegally stopped to us by linking it. I am using the word 'illegally'. I was an officer and I know which part is legal and which part is not legal. Fifteenth Finance Commission fund has been illegally tied up with Ayushman Bharat and colour coding. हमें कहा जाता है कि make it saffron. Why? We have to understand why there is special hatred for Bengal. There are attacks on other States. It is because twice you have raised this bogey that बंगाल हमारे हाथ में है, and you are thrown out. ...(*Interruptions*)... Whatever pressures you put, we shall not accept your 3 *neetis*. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः प्लीज़ आपस में बात मत कीजिए।

SHRI JAWHAR SIRCAR: We shall not accept your communal agenda; we shall not accept your caste agenda. We throw out caste. And we shall not accept repression of women. ...(*Interruptions*)...Bengal is the only State...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः प्लीज़ अपनी जगह पर बैठिए। जवाहर सरकार जी, आप बोलिए।

श्री मदन राठौड़ (राजस्थान): उपसभापति जी ..(**व्यवधान**)..

श्री सामिक भट्टाचार्य (पश्चिमी बंगाल): उपसभापति जी ..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापतिः आप दोनों बैठ जाइए। आपकी बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। ..(**व्यवधान**).. Mr. Jawhar Sircar, you please speak.

श्री जवाहर सरकार: इनको बिठाइए।..(**व्यवधान**)..He is transgressing into my time. ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः बैठ जाइए। Mr. Jawhar Sircar, you please speak.

SHRI JAWHAR SIRCAR: Sir, let me put it. ...(*Interruptions*)... Bengal is the only State, my friend, that has 38 per cent women MPs in Rajya Sabha. ...*(Interruptions)*... And 38 per cent women MPs in Lok Sabha. ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापतिः प्लीज़, आप बैठ जाइए। आपकी बात रिकॉर्ड पर नहीं जा रही है। ..(**व्यवधान**)..

SHRI JAWHAR SIRCAR: The excuse given by the Finance Department is आप UC नहीं देते। UC means Utilisation Certificate. Now, you please see CAG Report of 2021-22 and what it says in para 4.16. It says that 32 Central Ministries have not submitted UCs, 4,42,800 UCs. आप क्यों फालतू यू.सी., यू.सी. कहते हैं?

Sir, the happiest news is what the President has said in para 4 -- it is a happy news for me for a very historical reason -- that we shall be celebrating 75 years of the Constitution. But I go back to history, to the 'Organizer', a paper of RSS, of 30th November, 1949. I go back to Golwalkarji's Bunch of Thoughts, Part-III, Page 19. I am quoting from there. "The worst thing about the Constitution of Bharat is that there is nothing *Bharatiya* about it; there is no trace of ancient *Bharatiya* laws; Manu's Laws were written long before and Manu Smriti is our Constitution." These are his words which I am quoting. I am glad that after 75 years, his descendants have decided to eat these words with tomato sauce, and join the constitution club. Sardar Patel, as you know, had banned the organisation for 18 months and at the end of 18 months, he got an assurance that they will abide by the Constitution. Incidentally, when we talk of Emergency -- there is no one who supports Emergency -- we don't talk of Sardar Patel banning the organisation for 18 months, and you build statutes of the man who banned you. ...(*Interruptions*)...

I come to para 22 because there is a reason. ...(Interruptions)... Today is the black day. ...*(Interruptions)*... Today is 1st of July and will be remembered like the 13th of April, 1919, Jallianwala Bagh day, because our laws, our criminal laws, which have worked well, have been trampled and discarded without discussion when 146 MPs were suspended. What does it talk of? Why? It is that it talks of being colonial. That was colonial and this is anti-colonial. मुझे एक बात बताइए, who participated in the anti-colonial movement? It was this side. We participated in the anti-colonial movement. You ran away from it. आप क्यों बार-बार anti-colonial बात

करते हैं? Section 111 of BNS makes 'writing' and 'speech' also to be an act of terrorism. I do not know how many of us would be arrested under it because it does not require a warrant for a police officer to arrest. Under Section 150 of the BNS, it criminalizes subversive activities without defining what subversive activities are. What I am saying about the Government, I am bounden as a Member of the Opposition to say. Is it subversive? I do not know. Because I may be arrested, I keep some stock of medicines for Tihar jail.

Now, having said that, there is Section 150 which brings in a very interesting provision. One who excites people or stokes feeling of hatred can be banned and arrested. *...(Interruptions)...* Do we remember somebody who was stoking feelings and exciting people with *mangalsutras,* with one community taking all as *jehadis,* with Sikhs as *khalistanis,* which is that community? Will it come under this Act? I want a clarification from the Home Minister whether such person, who makes such comments, amenable to action under Section 150 of the BNS, or it is just a showpiece. As I said, under Section 172, police can arrest anyone including Dr. Sivadasan without warrant. Remember that. You are stopping fasting as a political weapon. Fasting was a political and sacred weapon. Shaheed Jatin Das died in Lahore jail in 1929, so that political prisoners are not treated like criminals. Gandhi*ji* went on fast in Pune. Remember! How will you remember? You did not participate in the freedom struggle. How will you remember what fasting is? *...(Interruptions)...* Fasting as a political weapon has been taken out. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. *...(Interruptions)...*

SHRI JAWHAR SIRCAR: Section 149 authorizes the police to go on and break up any form of political agitation. Please reconsider this law in a full House and then come to the point. About banks, you have mentioned in para 17, छाती फुलाकर, 'bank, bank, bank'. What have you done in your banks? In the last ten years, you have wiped off Rs.15.5 lakh crores in the name of cleaning books.*...(Interruptions)...* Out of these Rs.15.5 lakh crores, who are the beneficiaries? On 12th December, 2023, the Finance Minister has said that frauds have eaten away Rs.2.05 lakh crores. इसमें तो पूरे बंगाल के, entire pent-up funds would have been done twice over. Rs.2.05 lakh crores have been eaten up by frauds, and who are they? It is Nirav Modi, Mehul Choksi, Jatin Shah etc. They have destroyed Rs.2.05 lakh crores. Then, large industries have destroyed Rs.7.4 lakh crores. All India Bank Association (AIBA) says that two-thirds of the entire bad loans are accounted for by 13 favoured houses. That is all.

Videocon's debts were Rs.46,000 crores. They were sold to Vedanta for six per cent. What amount of *herapheri* is going on?

The next dreadful thing is that three days ago, you operationalized the Telecommunications Act. This Telecommunications Act is another black Act that was passed in December when we were thrown out of the House. Now, what does this Telecommunications Act say? Every sign, signal, writing, text, image, sound, video stream, data stream information is amenable under the Act, for interception and for punishment. You send a signal to somebody else, the Government has now empowered it. Remember, nobody stays in power for eternity. So, you will also suffer the consequences, the mischief of this Act. This is entirely aimed at criminalizing and terrorizing those who have stood up to this Government in the recent past like Ravish Kumar, Punya Prasun Vajpayee, the Deshbhakt, Kunal Kamra and Dhruv Rathee. This is all aimed at them.

I come towards the last part of this thing. I will continue for a couple of minutes more with your kind permission.

श्री उपसभापति: आप अपनी पार्टी का ही समय लेंगे। आपके पास 15 मिनट का समय है।

श्री जवाहर सरकार: जी, दो-चार मिनट दे ही देंगे। In the labour force, the highest degree of unemployment in the last thirty years is going on now. Eight per cent is the rate of unemployment which is the worst among the top ten economies. We have one country to match us and that is Italy. इटली से अभी थोड़ा ज्यादा दोस्ती हो रही है, तो इटली की भी आठ परसेंट है और हमारी भी आठ परसेंट है, बाकी सब below eight परसेंट है। What about jobs? Your Minister, Shri H.D. Kumaraswamy, has revealed four to five days ago that under the PLI Scheme, a U.S. enterprise, Micron Tech, is charging the Government Rs. 3.2 crores per job created. For one job creation, Rs. 3.2 crores! मुझे दे दीजिए, मैं सैकड़ों जॉब्स तैयार कर दूंगा with three crores of rupees. For the poor, you said that we have almost crossed the poverty line and eliminated it. But, you have to feed 81 crore people and yet talk of a mythical poverty line. Either they are not poor and you are force-feeding them or they are within the range of poverty. You talk of *Jan Aushdhalaya* and all. You have 25,000 of them. It takes 60,000 people to line-up before one of those stores. You talk of women. The Labour Force Participation Ratio among women is the lowest, I repeat, the lowest among all the top countries in the world. We are now below the Sub-Sahara African countries, below the Central Asian countries, below East-European countries and Kyrgyzstan, Chad, and Mauritius, etc. There is a complete distress going on and you are not realizing it. The hon. President has spoken about the 'Green Era'. The Environment Minister

mentioned that he has stopped two lakh trees from getting cut. As far as the Green Era is concerned, every law that pertains to the environment:-water, air and the ground, all of them have been amended with brute majority. Our pollution is one of the worst. I don't need to tell people in Delhi about our pollution. But, there is a stunning fact that has come out and this fact has come out in international domain that India has used more coal, more thermal power than all of Europe put together and all of North America and we keep promising कि हम जा रहे हैं towards non-fossil forces.

Sir, I will end here by requesting the Railway Minister to kindly devote some time to आम जनता ट्रेन्स, to train safety, to Kavach and for filling up 1.5 lakh posts that are vacant in the Safety Department only so that we don't get repeated accidents. We do not want bullet trains, but we want our normal trains to be safe.

Sir, the last word that I will say is that you are giving highest priority by giving ten lakh crores to eleven lakh crores of rupees to infrastructure but what is happening is that previously when the rain fell, the roofs leak. But, now, the roofs fall, and the papers leak. With these words, I, thank you, Sir.

श्री उपसभापतिः थैंक यू। माननीय जवाहर सरकार जी, आपने अपने तय समय से लगभग चार मिनट अधिक बोला है। पार्टी अपना चार मिनट समय कम करेगी। माननीय श्री मेदा रघुनाधा रेड्डी, maiden speech. Please.

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY (Andhra Pradesh): Hon. Chairman, Sir, on behalf of the people of Andhra Pradesh and YSRCP President, Shri Jagan Mohan Reddy garu, I extend my gratitude to the hon. President for addressing the Parliament and outlining the various achievements, priorities, and initiatives of the Government.

As we navigate our nation's development journey, we find ourselves at a pivotal point that requires thoughtful reflection and strategic planning. Although the Indian economy has experienced substantial growth over the past ten years, it is crucial to acknowledge that this progress brings its own set of challenges. While we are growing at a substantial speed wherein we have become the fifth largest economy, our GDP per capita is only 2,500 dollars. We stand 136th in the world in nominal terms and 125th in terms of purchasing power parity. We need urgent steps to ensure that the fruits of development reach the poor and the needy.

Sir, I rise to speak on certain important issues in national interest and also in the interest of the people of Andhra Pradesh. First about NDA's achievement in the last ten years. In terms of economic growth, India has achieved remarkable economic growth over the past decade, transforming itself into the 5th largest economy in the

world. This is a significant leap from its position just ten years ago when it was ranked 11th economically. The country's rapid advancement can be attributed to several key factors, including robust industrial development, a thriving services sector and substantial foreign investments. India's journey from the 11th to the 5th largest economy in just a decade is a testament to its resilient economic policies, dynamic sectors, and the enterprising spirit of its people. This growth trajectory sets a promising foundation for India to potentially become one of the top three economies in the world in the coming years.

Talking about India's growing stature internationally, India's international stature has been steadily rising and is reflected in its growing influence in global economic and political arenas. As the fifth largest economy, India is a pivotal player in the G20, shaping key international economic policies. Its leadership in initiatives like the International Solar Alliance underscores its commitment to global environmental sustainability. India's active role in peacekeeping missions and its strategic partnerships with major global powers highlight its diplomatic prowess. Additionally, India's thriving IT sector and burgeoning startup ecosystem have cemented its reputation as a global innovation hub. This enhanced stature allows India to contribute significantly to global discourse and decision-making processes.

Now, the Women's Reservation Bill. The 128th Constitution (Amendment) Bill, that has been passed, was probably the most historic and one of the biggest achievements of the NDA Government for which I am thankful. It represented the result of years of hard work and dedication by women from all corners of our nation. It was a significant milestone in Bharat's journey towards gender parity and should be celebrated as such.

Then, the achievements of ISRO; the Indian Space Research Organisation has consistently made us proud with its remarkable achievements growing each year. A notable milestone was the Chandrayaan-3 Mission when the spacecraft entered lunar orbit, making India the first country to touch down near the lunar South Pole. This historic event showcased India's prowess in space exploration and highlighted ISRO's capability to execute complex missions.

I urge the hon. Prime Minister to continue supporting ISRO with adequate funding to sustain its momentum. Financial backing will enable ISRO to undertake ambitious projects, develop new technologies and maintain its global leadership in space research. Continuous support will also nurture young talent in space science, encouraging innovation and research. Investing in ISRO is investing in the future of our nation, ensuring India remains a key player in the global space arena. In conclusion, I implore the hon. Prime Minister to ISRO's critical role in our nation's

development and continue providing the necessary support and funding. This will enable ISRO to achieve greater milestones and continue making significant contributions to science and technology.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Have you concluded?

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY: Sir, I will take two-three minutes more. We see organised violence against YSRCP supporters in Andhra Pradesh. As of now, there is continuing violence against YSRCP supporters in Andhra Pradesh. Particularly, since the State Assembly election results, the situation has escalated with various troubling incidents aimed at YSRCP supporters. Since the counting day, TDP allies have staged violent rallies with the intention of intimidating YSRCP supporters and destabilising...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Law and order is a State Subject. So, please keep in mind.

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY: Okay, Sir. I am concluding. I urge the Central Authorities to intervene and ensure justice and safety for all affected communities. Then, Sir, Special Category Status for Andhra Pradesh. The denial of Special Category Status to Andhra Pradesh constitutes a grave injustice and betrayal of trust by the Central Government. This denial violates constitutional and statutory provisions as well as assurances given by the highest authorities of the country including the sanctity of this august House. The YSR Congress Party has consistently reiterated its demand for the Special Category Status since 2014. We shall continue to remind the Central Government of this deceit and discriminatory treatment towards Andhra Pradesh after every President's Address and Budget presentation. Former Chief Minister Y.S. Jagan Mohan Reddy had met with the hon. Prime Minister and hon. Home Minister on numerous occasions, each time requesting this status for our State. It has been ten years since the bifurcation of Andhra Pradesh, a division carried out without the consent and consultation of the people. At that time, the then Prime Minister assured on the floor of the House that the residual State of Andhra Pradesh would be granted Special Category Status for five years to compensate for the loss of revenue and resources. This promise, endorsed by the Union Cabinet and incorporated into the Andhra Pradesh Reorganisation Act, 2014, remains unfulfilled by successive Central Governments despite repeated requests and protests from the people and Government of Andhra Pradesh. Sir, the State would benefit from

enhanced allocation of funds, a lower matching share for Centrally sponsored schemes, tax concessions for industries and preferential treatment in the resource allocation. The people of Andhra Pradesh deserve Special Category Status, which is their legitimate right and expectation. Therefore, I urge the Central Government to grant Special Category Status to Andhra Pradesh without further delay. These measures will help the State achieve its long-term vision of fiscal self-reliance and inclusive development.

Then, Sir, issue of media suppression in Andhra Pradesh/ban on TV channels; the Delhi High Court on Monday, June 24, 2024, ruled that various TV operators in Andhra Pradesh should start broadcasting...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, no *sub judice* issue.

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY: Sir, I am concluding.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude.

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY: Sir, under the esteemed leadership of Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy, Andhra Pradesh had made substantial progress in fortifying its maritime logistics capabilities. The State's concerted efforts to enhance the maritime infrastructure are evidenced by the rapid construction of four new ports and a significant increase in shipments from the existing six ports. The Ramayapatnam, Machilipatnam, Mulapeta and Kakinada Gateway ports were being developed at an accelerated pace, with an estimated investment of approximately Rs. 16,000 crore. These new ports are projected to augment the State's cargo handling capacity by 110 million tonnes. Furthermore, these infrastructural advancements are expected to create employment opportunities for 75,000 individuals, both, directly and indirectly, thereby contributing significantly to the State's economic growth and job market.

In addition to port development, the State has undertaken construction of fishing harbours and fishing landing centres to bolster the livelihoods of fisherman. Ten fishing harbours and six fish landing centres are there. The development of these ports and fishing facilities is poised to drive substantial economic growth, foster regional development, and enhance the State's logistical efficiency. These projects are integral to the broader strategy of transforming Andhra Pradesh into a maritime powerhouse, leveraging its extensive coastline. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Reddy, please conclude now.

SHRI MEDA RAGHUNADHA REDDY: The Central Government's backing will also serve as a testament to its commitment to regional development and equitable growth across all States. By fostering a collaborative approach, we can achieve the shared goal of making Andhra Pradesh a leading hub for maritime trade and logistics in India.

With these observations, I thank the hon. President for the Address. Thank you, Sir.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Thank you Mr. Reddy, the next speaker is Shri Binoy Viswam.

SHRI BINOY VISWAM (Kerala): Sir, how much time do I have?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have ten minutes' time.

SHRI BINOY VISWAM : Thank you so much, Sir. For the first time in this House, I have been given ten minutes to speak. I would like to inform this House that these are benevolent ten minutes. ...(Interruptions)... This is my farewell speech and, that is why, I have been given ten minutes. I am grateful to you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You should be grateful to the hon. Chairman.

SHRI BINOY VISWAM: I thank hon. Chairman, Rajya Sabha for giving me ten minutes to speak.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please come to the subject.

SHRI BINOY VISWAM: Sir, through you, I express my thanks to the whole House, to Members of this side as well as that side. I am grateful to the hon. Chairman that he was so kind to allot me ten minutes for the first time in this House.

Sir, the President's speech was an important speech in the House. My Treasury Bench friends, all of them were very eloquent in pacing that speech, in upholding the Constitution and defending the values of the Constitution. We all share that sentiment. We know that the President is the first citizen of the country. Article 79 states what Parliament is. It is defined like this. The President and the two Houses of the Parliament constitute the Parliament. The Lok Sabha, the Rajya Sabha plus the President are called the Parliament. Neither the Prime Minister nor the Ministers are mentioned. But, the President and the two Houses are mentioned. That is important.

Article 60 says that the President takes the oath to protect and defend the Constitution. It is the oath of the President; protecting and safeguarding the great Constitution. Article 53 says that the President is the supreme commander of the defence forces of India. That is the President and we all respect her. Being a great lady, a tribal lady, I bow my head before the great Droupadi Murmu*ji*. But, Sir, this great President whom they praise like anything, where was she on two great occasions in the history of this Parliament? One was the inauguration of new building of Parliament. When did it happen? It was on 28th May. Sir, that day has a significance. It happens to be the birthday of V.D. Savarkar. I don't want to go into the details of V.D. Savarkar, but I know of those letters--not one, not two, not three; letters after letters for what? Pleading for mercy from whom? The colonial masters! That V.D. Savarkar's birthday was marked here by inaugurating this House, a great moment for the country, a great pride moment for the country and the Parliament! But, Sir, I ask the friends of the Treasury Benches: Where was the President on that day? Where was she? Was she given a chair there? Was she given a prominence there? She was not seen there. Even a mere entry was denied to her. Sir, that is the BJP.

On the second occasion, the Prime Minister himself went to Ayodhya for the inauguration of the temple there, for the *Pran Pratishttha* as they call. On that day, this country, a secular country witnessed a scene where priests became politicians and a political man became the priest! On that day, the whole country searched for a particular person, the First Lady of the country, Shrimati Draupadi Murmu. She was missing there. She was not seen there. Why, Sir? This country has a right to ask this Government and the BJP Benches. Why did you deny the entry for her on great occasions? Why? I am asking you. Was it because she is a tribal woman? Was it because she is a woman? Was it because she is a widow? Why did you deny a prominent place for her on these two occasions? The same party came here and in great words told the House and the country that the President is President.

One more thing I want to ask you. Before asking it, I remember a nursery rhyme--London Bridge is Falling Down, Falling Down. In this country today, when rain comes, airports are falling down! Canopy of airports are falling down--in Delhi, in Gujarat and in Madhya Pradesh, it happened. Falling down and falling down. I believe that a day will come when this Government too will fall down. It has to fall down. It can continue because of the JD(U) or TDP, severally or individually or collectively. They may make sure that this Government falls down. This Government is not such a big Government now. Gone are those days. *Chaar Sau Paar* was a myth! The people of this great country taught the BJP a lesson. That is very important. You tried all the

best in your armoury to defeat the people. But the country proved that the people are great by saying, 'We are great, not the Prime Minister, nor the Ministers nor the BJP!' The people and people alone are great and we speak for them. The INDIA alliance speaks for the people, speaks for their rights. It speaks for the Constitution. It speaks for democracy. That is why we commit ourselves to fight for this country called India. Or else, India is defeated. INDIA is on the marching mood. We will march forward and we will see to it that the country and the people will win. We are awaiting that day.

Sir, what about leakages, NEET leakages? We know about it. One more thing, Sir. Reports are coming to say that the great temple in Ayodhya is also facing a leakage now. If rain comes, Lord Ram will be under the shower! Will you hear, BJP? BJP is doing everything that it likes.

3.00 P.M.

For them, Lord Ram is only a status symbol. It is only a symbol for catching votes. They converted Ramayana into BJP Manifesto!

I am a Communist. I believe Ramayana is a great epic of this country. I not a believer; but, I know the significance of Lord Ram. We know that lakhs and crores of people respect Lord Ram. I am asking BJP on behalf of them. You disrespect Gods. You disrespect Mahabharata and Ramayana, because, for you, power and power alone is the main thing.

You bow your head before the Constitution. Where is the Constitution now? You have brought in Sengol! What it represents, Sir? Let me make it clear. Sengol represents the Brahmin and Kshatriya nexus! It is the power structure against Dalits, Adivasis, the backwards, poor, women and all the oppressed. Sengol is for that. You threw away the Constitution and brought in Sengol! This is the Government of Sengol which shows that it is not for the people and not for the Constitution. Why? It is because the first words in the Constitution say, 'We, the People of India.' That is the Preamble and soul of the Constitution. We — people — are the makers of the Constitution. Those people are saying to the Government that we are supreme, not your Sengol. If you come with Sengol, we will fight you with people's might, with people's power...*(Time-bell rings)*...That is why India stands here.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude now. You have already taken ten minutes. Please, conclude in one minute.

SHRI BINOY VISWAM: Okay, Sir. In the morning, I heard the LoP talking about 'Dwivedi', 'Trivedi' and 'Chaturvedi.' With all respect to Khargeji, I may say this. For the BJP, all Vedas will come to one Veda and that is Manu Veda, the Manu Smriti. Before Manu Smriti, there were no Vedas, no epics, nothing was there. Sir, the BJP stands for Manu Smriti.

श्रीमती मेधा विश्राम कुलकर्णी (महाराष्ट्र): महोदय, मेरा एक प्वाइंट है।

SHRI BINOY VISWAM: You can object. But, Manu Smriti is 'Polismriti' and it is 'Veda' for the BJP. ...*(Time-bell rings)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude now.

SHRI BINOY VISWAM: It says, 'न स्त्री स्वातंत्र्यमर्हति' ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please conclude now.

SHRI BINOY VISWAM: We demand freedom for women. We demand freedom for Dalits. We demand freedom for the oppressed people. That is why we fight here and that fight will continue inside the Parliament and outside too it will continue.

Thank you very much. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Tiruchi Sivaji. You have 21 minutes.

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, we will adjust amongst our Members.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is what has been mentioned here.

SHRI TIRUCHI SIVA: No, no. We have divided the time. We shall adjust it.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You can send it here.

SHRI TIRUCHI SIVA: I thank you Mr. Deputy Chairman, Sir.

Today, more than ever, I stand proud and privileged to be a representative of the State of Tamil Nadu and a Member of the DMK Party. Why, Sir? I will tell you the reason. The 18th Lok Sabha Elections spread over six weeks and 640 million voters decided or gave their verdict. The Prime Minister of India, Mr. Narendra Modi, who

rarely visited Tamil Nadu, came eight times during election campaign, but in vain. Sir, we bagged all 40 seats that we had contested. It is the only State in India where we have won all seats that we have contested, thanks to the efforts and strategy of our leader, Mr. M.K. Stalin.

Sir, the people have given a clear verdict, not a clear majority.

Sir, hon. President, in her Address, at Para 3, said that her Government is enjoying a clear majority. I am sorry to say that the people have given a clear message, not a clear majority. How? The President's Address is only a convention. We owe legacy to the Government of India Act, 1919, and the 1921 was the first time. And, it is like the Monarch of the British Government. The Monarch will be presenting her address to the Members of Parliament; and, it will be prepared by the Council of Ministers, unlike the USA. In USA, the President prepares his own speech and delivers it. John F. Kennedy had said that without debate and without criticism, no administration, no country can succeed and no republic can survive. In one of his Addresses to the US Congress, he had very clearly given a glowing reference to Pt. Jawaharlal Nehru for his statesmanship and also how much he had been inspired by his worldview. But, here, the speech is prepared by the Council of Ministers and the President only delivers it. So, Sir, when we attempt to criticize, it need not be construed that it is against the President since she had only delivered the Address. It is only the criticism of the Council of Ministers.

Sir, the people of India have given many clear messages. Number one, this country considers economic issues more than divisive rhetoric. Mixing of politics and religion was not accepted by those people who have faith in religions. Moreover, what is the big idea of having a utopia whole Hindu nation than they can live in diginity in this country? How am I saying this? The BJP lost the seat of Faizabad where the Rama Temple was inaugurated with much pomp. That was a message in Varanasi also where the Prime Minister contested. Last time, his winning margin was four lakh and eighty-five thousand and this time it was only one lakh and odd. So, that is an indication that people were not satisfied and happy with the earlier Government. The President's Address has to inform the Members of both the Houses of Parliament about the various programmes and the priorities of the Government. But, it was only a summary of the previous Government. She was telling that her Government has done this, her Government has done that, and all that. Which Government, Sir? That was a BJP Government. And, this is an NDA Government. Any senior Member who has got very good wisdom can enlighten me. The convention is that normally, the President will call the leader of the single largest party to form the Government. If the single largest does not have a majority, they will go with the support of some

alliance parties and then he will be asked to get a Confidence Motion in the House. That has happened during Shri R. Venkataraman's period; that has happened during Shri K.R. Narayanan's period. But, this has not happened this time. Moreover, today's Prime Minister, Mr. Narendra Modi, is the leader of NDA, and not of BJP party. May I know whether the BJP party has sat with its elected Members of Parliament and elected their leader of the party? I am surprised, this has never happened. So, that leader who has been chosen as a leader of that party ...*(Interruptions)*... See, you are cornered. ...*(Interruptions)*... You are cornered. ...*(Interruptions)*... Please let me speak. You can speak later on. ...*(Interruptions)*... Rakesh*ji,* you can speak later on. ...*(Interruptions)*... Sir, I am not yielding. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is not yielding. ...*(Interruptions)*...

SHRI TIRUCHI SIVA: I am not yielding, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Rakesh*ji,* he is not yielding. ...*(Interruptions)*...

SHRI TIRUCHI SIVA: I should not be interrupted. ...*(Interruptions)*... Whether the Central Hall, which was abandoned by the BJP Government ...*(Interruptions)*...

श्री उपसभापतिः जब आपका अवसर आए, तब आप लोग बोलें। ...*(Interruptions)*...

SHRI TIRUCHI SIVA: We moved to the new Parliament building. The British Parliament has been working for three hundred years in the same building; whereas, we moved to a new building. Now, we are deprived of a Central Hall. Even after five years, we will not get acquainted with the new Members of Parliament in Lok Sabha because nowhere can we meet or come across them. What is going on, Sir? But, this time, the NDA Members of Parliament sat there, in that abandoned Central Hall, to elect their leader. Some sentiment! Did you feel that Central Hall or the old Parliament have suited you much than this new Parliament or anywhere else? Why, Sir? The President, Draupadi Murmuji, may not have the opportunity to watch the full proceedings of the House. Unless otherwise a Member from the Opposition speaks, she may not have an opportunity to look at what is happening in the House because the Sansad TV which is meant for the Parliament is only for the Treasury Benches nowadays. It only focuses upon them.

AN HON. MEMBER: No, Sir.

SHRI TIRUCHI SIVA: Whatever we do, even it may be a disobeyance, it does not matter, it must be telecast. The people will decide whether what we are doing is right or wrong. But, we are not….

श्री उपसभापतिः माननीय तिरुची जी, यह परम्परा कई वर्षों से है।

SHRI TIRUCHI SIVA: I beg your pardon.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please continue.

SHRI TIRUCHI SIVA: Kindly allow me. The duty of the Sansad TV is to focus on the proceedings of the House. Otherwise, when a Member of the House fainted here, it did not reach out because it was totally blacked out. How many from the ruling party came rushing? She is not a Member of an alliance party; she just belongs to the Opposition Party. When she swooned here, except the Parliamentary Affairs Minister, no one came here. ..*(Interruptions)*…

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Chairman had ensured that all the care was taken in her case. He had given a brief of that also.

SHRI TIRUCHI SIVA: Sorry, Sir, this is the real happening here. I am taking this to the notice of the hon. President, as to what is happening in this House. We are deprived of the Central Hall. Why? Don't you want the Lok Sabha Members and the Rajya Sabha Members to come together? Divisive here also! So, that is what I say, the people have given a clear verdict. They are not satisfied. The economic issues are of much more importance, not other issues. India has got sixty four per cent of youth population. Every month, one million enter into the youth population. It is a very big demographic dividend. But it will become a demographic disaster if employment is not created. That they suffered; the verdict was given by who all — the poor people, by the youngsters, by those who believed in secularism; those who believed in federalism gave their verdict. Why then this sort of a fractured verdict that they have to sit here with an alliance only? The smile on the faces of many of my friends there has missed, very sorry to say. In the last tenure, the BJP's strength was 303 and the NDA's was 353. This time, the BJP is 240 and their Alliance is 293. What does it show? It shows that the 63 that has come down is not from the Alliance, it is only

from BJP. So, people have lost their confidence in BJP. At 3 o'clock on 4th June, the graph stood at 293 and 230-and-odd on us. It remained the same till the next morning. Till then, there were fluctuations, going up and down, going up and down. Even, the Prime Minister was trailing behind at a point of time. But, after 3 o'clock on June 4th, it stopped there itself. Many speculations are looming over. How many seats they have won with a margin of 5,000 to 1,000! If you calculate that, this apprehension or speculation may come true. Sir, I don't want to raise any allegation. But the thing is, the verdict which has been given by the people is not as the President has told that it is a clear majority; it is not so. It is only a clear message. The President has also very gladly said that 25 crores of people have been brought out of poverty. Let me say, Sir, as per the World Bank's data, 10 per cent of Indian population are below poverty, that is, 14 crores. As per NITI Aayog's 2023 Report, people who live below poverty are 15 per cent, that is, 22 crores. The people living in poverty in India comprise the total population of U.K., France and Germany. India is a largest booming economy, you may say, but 22 crores of people comprising three countries' total population are living in poverty! Sir, 80 crore people are living on the ration shops, getting free food. But you say that we are reaching second, third in economy. Mumbai, my friend, Praful Patel's great hometown, hosts the richest man in Asia and the largest slum in Asia. This is real socialism. Richest man lives there, and the largest slum is there. This is India.

Sir, you have been given ten long years. In politics, they used to say, even one week is a longer period. You have been given ten years. What have you done? Have you given any employment to the youth population? Have you brought down poverty? Have you taken care of the farmers? One thing I am sure, Sir. After this election results and after this Government has taken over, they cannot bulldoze the Bills as they were doing earlier. The Opposition is very strong in the Lok Sabha. We are as well strong here. Moreover, two partners in their Alliance are very, very particular, I say. One is, Mr. Nitish Kumar, my very good friend for past 25 years who stands for social justice, and, I think, hewould take care that this Government will go for Census immediately. So far, the Government has not yielded. I think, the JD(U) will prevail upon them to take the Census which the Tamil Nadu Government is pressing upon. And the second is, federalism. Hereafter, you cannot use the Governors as arrows against the Opposition parties because Chandrababu Naidu, who is for federalism, is with you.

Sir, the hon. Minister of Education took oath as a Member of Parliament in the 18th Lok Sabha after entrusting the irregularities of NEET Examination to be investigated by CBI and after cancelling the NEET Examination for Post Graduate, the

prior night to the exam day, making thousands and lakhs of student aspirants, medical doctors stranded. Of course, those who are for PG are basically doctors. They were stranded. Everyone had reached their centres; but the previous night, they cancelled it. Why has it happened? And, they say proudly, we have initiated action. We ask, why it happened and how it happened? It is not locking the stable after the horse has run. Lakhs of students have been put to trouble. ...*(Interruptions)*... My dear friend, Mr. Nagar, please. I may speak against you but it may be of interest to you. Why did it happen? They should not have allowed even an iota of doubt when you are particular about NEET. Tamil Nadu is revolting. So many students have committed suicides, and Tamil Nadu Assembly has passed a unanimous Bill.

[THE VICE-CHAIRPERSON (DR. SONAL MANSINGH) *in the Chair.*]

Thank you, Madam Vice-Chairperson, for being in the Chair. I am happy. The President of our nation signed immediately the Farm Bills that were passed in the Parliament which were not in the proper manner. It was not debated. The amendments we gave were not discussed and they were not taken to the Standing Committee or the Select Committee as we proposed. But she gave assent to it, she gave assent to UAPA and she gave assent to the three infamous Criminal Law Bills which is entrusting, emboldening the police like anything and changing the nomenclature. It was immediately signed. But Tamil Nadu Legislative Assembly, which is a part of the Indian nation, has passed a Bill unanimously twice and it is still waiting for the assent of the President. What is happening? It should be taken into account that the federal Government is not that creates the States, it is the States that create the federal Government. So, the sentiments of the people of a State and the decision that has been arrived at an Assembly wholeheartedly should be respected by the President. Any Government may be here or there, but it is the State Assembly's Resolution. But it is still pending. In the interest of the State, our people, we don't want to say, 'Ban NEET or something'; give an exemption to Tamil Nadu.' Even that is not recognized. Rather than that, the Speaker there, who is considered to be above politics, not to say, the Prime Minister and his Party -- that does not matter -- even the President in her Address, recalled the Emergency. We don't say, don't speak about that. It cannot be concealed. The DMK, the Party to which I belong, was the worst sufferer. We lost our Government; our Leader, now the Chief Minister there, and myself were imprisoned for one full year. We do not deny that. All of that happened. But later, Mrs. Gandhi came to Chennai and at the Marina Beach, where the Party under the leadership of Dr. Kalaignar was present, regretted all that

happened in those times. Let me go beyond that. That was a declared Emergency, but this is an undeclared 'emergency' by the BJP. What is going on? You are taking away the rights of the States, the people, the minorities. What does the CAA do? You cherry-pick. You choose three countries, you choose five religions, you deliberately leave out Muslims, you deliberately leave out Sri Lanka and you forget about the one-and-a-half lakh Tamils who are stranded in Tamil Nadu without citizenship. Your Bill does not include them, but it gets the assent of the President. You bulldozed everything. During the passage of the three criminal law bills, 150 MPs from both the Houses were suspended and the Bills were passed. They were such important Bills. Stakeholders were not called. Nobody was consulted. Nobody's views were taken into consideration, including that of the Members of Parliament. Alternative perspective should not be looked at as adverse. Every issue has got two sides. You may be on one side, we may be having one side, but democracy is where both sides are discussed and a consensus is arrived at. But you don't allow us to speak. You don't listen to us. The Prime Minister, who has never met the Press in the previous years, met them at least 100 times during the Elections. But the results were very unhappy, for them, not for us. We have not assumed power, but we are all very happy. They have now come back to power, but they are not really happy. That is the point.

Sir, Shri Rahul Gandhi, the Leader of the Opposition in Lok Sabha, has raised a very important issue. Many of us have not taken cognizance of that, something which happened in this country -- the share market. Fluctuation in the share markets is mostly decided by the performance of certain firms. The investors choose by way of that. Secondly, Government policies, taxation and many other things influence the share markets. The third is war in a foreign country and foreign exchange reserves. The fourth is artificially created fluctuations. That happened in 1990 when Harshad Mehta did it. Later, it was Satyam Raju and now, kindly take note of what happened just before the Elections. What happened was, on May 19th, the Prime Minister appeared before the media and said that the share markets are soaring high and high, after June 4th it would reach historic heights and so, all must be ready. The Prime Minister said that! On June 1st, the Home Minister said that the share markets were rising, after June 4th, India will be benefited and so, all of you must buy shares. They had given interview to some media. On June 3rd, when the Exit Polls came out, unimaginably, a section of the media said that the BJP would win 401 seats. It was all cooked up. Where is 240 and where is 401? How can such errors happen? So, it is deliberate. After the forecast of 401 seats was given by Exit Polls, for your kind

information, the NSE increased by 733 points on June 3rd. Miserably, BJP didn't form the Government.

Madam Vice-Chairperson, you have to bring the House to order. They are distracting me.

On June 4th, the Sensex fell by 1,379 points thereby making the small investors lose 30 lakh crore rupees. Thirty lakh crore rupees! ...*(Interruptions)*... It went up the previous day. They bought shares. The next day it came down. All small investors who were tempted to buy shares because of the Exit Polls lost huge money. Is this the way?

Is it the responsibility or job of the Prime Minister or the Home Minister to talk about shares? I am talking about the poor common man. ...*(Interruptions)*... They are not big corporates; they are ordinary investors who are interested in share markets. They have lost Rs.30 lakh crore. That is why the Leader of the Opposition in the Lok Sabha has proposed that a Joint Parliamentary Committee has to be constituted to look into this. It is a very big economic scam that has happened. Ordinary people are affected. I am not levelling false and evasive allegations. I belong to a political party; I am in the opposition. If I see an elephant and say that it is a horse, it is your responsibility to prove that it is an elephant. But we are saying that it is an elephant, but you are not accepting it because we are saying it. Even if we call a spade a spade, you don't accept it. Democracy is totally curtailed. So far as the right to expression is concerned, we are not allowed to speak in Parliament. We are not heard and it is not taken as 'important'. It is has happened in all the past ten years. Now, let it not be repeated and that is what we request. We expect a change in you. But, actually, it is not so. It seems again the same old thing. At least, I expect that two very strong alliance partners with you, Shri Nitish Kumar, the social justice fighter and Shri Chandrababu Naidu, who stands by federalism, will be having the reins of this Government to safeguard the interest of this nation. So, all this that we are saying is in the interest of the nation. We need a Central Hall. We want the *Sansad* to be common to both the Opposition and the Ruling Party. Most of the time, nothing is being telecast. At least, if the media is there, it can take it to the people. But the media is not allowed. Where is democracy? The media, which is responsible to take what is going on in the House, is not allowed in the Parliament. Television is not showing the reality.

THE VICE-CHAIRPERSON (DR. SONAL MANSINGH): Please conclude.

SHRI TIRUCHI SIVA: Let me conclude. I would like to conclude. They are supposed to be here for five more years, but I don't know for how many years they are going to be here. That's all different; we don't expect that also. Let them be there, but they have to mend their ways, else people will end their days. Respect democracy and honour the opposition parties' views and think of people, first of all, the poor, the farmers and the youngsters who are running for jobs. All these things should be taken into consideration and kindly, hereafter, don't bulldoze any Bills. Last year, only seven Bills were referred to the Standing Committee. In this regime, refer Bills to the Standing Committee or the Select Committee, call the stakeholders, consult each and everyone, bring a comprehensive Bill and make it a law. We are all for it. So, I request, through this debate, the hon. President, Droupadi Murmu, who gives assent to all the Bills that are passed in the Parliament, to give assent to the Bill that has been passed in the Legislative Assembly of Tamil Nadu on the NEET Examination.

उपसभाध्यक्ष (डा. सोनल मानसिंह): थैंक यू। श्री संजय सिंह जी। आपके पास 23 मिनट हैं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली)**:** वाइस-चेयरमैन महोदया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात कहने का मौका दिया। महोदया, 11 महीने के बाद इस सदन में दोबारा आने का मौका मिला और इस बीच कई घटनाएं घटित हुईं। मैं उनकी डिटेल में नहीं जाना चाहता हूं, लेकिन राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में जो बिंदु आए हैं, उनके बारे में मैं जरूर आपके सामने कुछ कहना चाहता हूं। महोदया, ज़िक्र किया गया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और बहुत अच्छे ढंग से चुनाव संपन्न हुआ, लेकिन यह चुनाव कई घटनाओं का साक्षी रहा। इस चुनाव के अंदर हमने देखा कि विपक्ष के नेताओं को पकड़-पकड़ कर कैसे जेल में डाला गया। ईडी का, सीबीआई का, जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग करके राज्यों के मुख्यमंत्रियों को जेल में डाला गया, मंत्रियों को जेल में डाला गया। इस चुनाव में हमने भाषा का स्तर देखा। महोदया, भारत के प्रधान मंत्री महँगाई पर बात नहीं करते, बेरोजगारी पर बात नहीं करते, किसानी पर बात नहीं करते, इस देश के अंदर आपने अग्निवीर योजना के कारण भारत की सीमा को कमजोर करने का काम किया, उस पर बात नहीं करते। भारत के प्रधान मंत्री, बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि कभी मुगल पर बात करते हैं, कभी मटन पर बात करते हैं, कभी मदरसा पर बात करते हैं, कभी मछली पर बात करते हैं और हद तो तब हो गई, *..(**व्यवधान**)... महोदया, इस चुनाव में हमने देखा ...(**व्यवधान**)... हमारे दिल्ली के मुख्य मंत्री, ...(**व्यवधान**)... हमारे दिल्ली के मुख्य मंत्री, अरविंद केजरीवाल को चुनाव से पहले जबरदस्ती पकड़ कर जेल में डाल दिया गया। ...(**व्यवधान**)... अरविंद केजरीवाल वह मुख्य मंत्री हैं, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में काम किया, स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम किया, बिजली फ्री देने के क्षेत्र में काम किया, पानी फ्री देने के क्षेत्र में काम किया, ...(**व्यवधान**)... महोदया, माताओं और बहनों को

* Expunged as ordered by the Chair.

बस में फ्री यात्रा देने का काम किया, बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा कराने का काम किया। ...(**व्यवधान**)... एक ऐसे मुख्य मंत्री, जिन्होंने देश ही नहीं, पूरी दुनिया में सबसे बेहतरीन काम करके दिखाया, आपने चुनाव के पहले उनको गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया। ...(**व्यवधान**)... और मुद्दा क्या बनाया? तथाकथित शराब घोटाला! ...(**व्यवधान**)... आज मैं आपके सामने इस सदन में बताना चाहता हूँ कि शराब घोटाला किसने किया। यह जानकारी पूरे देश को होनी चाहिए, यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के मित्रों को होनी चाहिए, यह भारतीय जनता पार्टी के नेता, देश के प्रधान मंत्री को भी होनी चाहिए। *...(**व्यवधान**)... मैं अपनी बात कहना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... महोदया, दिल्ली के मुख्य मंत्री को, ...(**व्यवधान**)... दिल्ली के मुख्य मंत्री को ईडी कोर्ट ने जमानत दी। ...(**व्यवधान**)... ईडी कोर्ट ने कहा, ...(**व्यवधान**)... ईडी कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल निर्दोष हैं। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठ जाएँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा (नाम निर्देशित): महोदया, इनको माफी माँगनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह : महोदया, *। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा: महोदया, इनको माफी माँगनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह: * ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा: महोदया, इनको माफी माँगनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह : *

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... संजय सिंह जी, आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

श्री संजय सिंह : * (**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री राकेश सिन्हा: महोदया, इनको माफी माँगनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): सब लोग पहले बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप कृपया बैठिए। ...(**व्यवधान**)... कृपया बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... कृपया बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

डा. लक्ष्मीकान्त बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदया, इसको सदन की कार्यवाही से निकाला जाए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंहः ठीक है, गलत-सही आप तय नहीं करेंगे। ...(**व्यवधान**)... महोदया, भाजपा के हमारे मित्र नाराज हो गए। ...(**व्यवधान**)... महोदया, सच सुनने के बाद नाराजगी होती है। ...(**व्यवधान**)... नाराजगी होती है। ...(**व्यवधान**)... सच सुनने के बाद नाराजगी होती है। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): सुनिए, सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह : मेरी इन लोगों से सहानुभूति है। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): सुनिए, आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह : मैं इन लोगों से सहानुभूति रखता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**): सुनिए, कृपया सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह : * महोदया *। ...(**व्यवधान**)...

उपसभाध्यक्ष (**डा. सोनल मानसिंह**)**:** आप अभी बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप लोग बैठिए। ...(**व्यवधान**)... आप लोग बैठिए। ...(**व्यवधान**)... पहले आप लोग बैठिए। ...(**व्यवधान**)... पहले आप लोग बैठिए। ...(**व्यवधान**)... नहीं, मैं नहीं सुनूँगी। आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... पहले आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... जब मैं कहूँ, तब आप बोलें। ...(**व्यवधान**)... कृपया शान्ति बनाएँ। ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... मेरी भी बात सुनी जाए। ...(**व्यवधान**)...

---

* Expunged as ordered by the Chair.

(MR. CHAIRMAN *in the Chair*)

MR. CHAIRMAN: Madam, please take your seat. ...*(Interruptions)*... No, no. ...*(Interruptions)*... Mr. Nagar, why this running commentary? If this running commentary takes place, I will call upon the leaders of the parties to, at least, give their Members the basic training to maintain decorum in the House. Why should it happen? Trading charges against each other! Nation is watching us. Members have to contribute massively. Shri Sanjay Singh may continue. ...*(Interruptions)*... I know, Sir. I was watching the debate. ...*(Interruptions)*... *Please.* Mr. Gehlot. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय सिंह : मान्यवर, यह देश लोकतंत्र से चलेगा। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: You have to address the Chair.

श्री संजय सिंह: सर, मैं आप ही को एड्रेस कर रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: The Leader of the Opposition today set a very high standard. He addressed the Chair.

श्री संजय सिंह: सर, आप ही को एड्रेस किया है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Please listen. I want pin drop silence in the House. Let us hear. He is the leader of a legislative party.

श्री जगत प्रकाश नड्डा: सर, माननीय सदस्य ने कुछ आपत्तिजनक चर्चा की है। कृपया उस पर गौर करें और उसको प्रोसीडिंग्स से हटाने की कृपा करें। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Gokhale and Mr. Sanjay Raut, I have come here. I have already taken note of it. ...*(Interruptions)*... Let me tell the hon. Members, whenever there is something objectionable, it will be looked into. If Mr. Sanjay Raut says something objectionable, not only his address will be looked into but he can point out to the address of someone else also. Yes, Mr. Sanjay Singh.

श्री संजय सिंह: धन्यवाद, मान्यवर।

श्री सभापति: संजय सिंह जी, मैं आपको एक मंत्र देता हूँ।

श्री संजय सिंहः जी, मान्यवर।

श्री सभापतिः मैं गुरु मंत्र तो इसलिए नहीं दे सकता, क्योंकि आपके गुरु तो पहले से ही हैं।

श्री संजय सिंहः हाँ, मेरे गुरु रघु ठाकुर जी हैं। ...(**व्यवधान**)... मेरे गुरु जी रघु ठाकुर हैं। मेरे राजनीतिक गुरु रघु ठाकुर जी हैं। यह इन लोगों को पता नहीं होगा, इसलिए मैं बता रहा हूँ।

श्री सभापतिः आप सुनिए। रघु ठाकुर जी का और मेरा क्या संबंध है, यह रघु ठाकुर जी से पूछिए।

श्री संजय सिंहः यह इनको नहीं मालूम होगा, इसलिए मैंने इनको बताया।

श्री सभापतिः आप सुनिए। आपको मुझे एड्रेस करना है। एक गुरु मंत्र यह है कि आप शालीनता से जो बोलेंगे और जो रिकॉर्ड होगा, वह इतिहास का ही हिस्सा नहीं बनेगा, बल्कि वह 140 करोड़ जनता को भी पता लगेगा।

श्री संजय सिंहः धन्यवाद, मान्यवर।

श्री सभापतिः उसके अलावा अगर कोई व्यवधान होगा तो यह एनर्जी यहीं खत्म हो जाएगी।

श्री संजय सिंहः धन्यवाद, मान्यवर।

श्री सभापतिः आप ऊर्जावान हैं और अच्छे वक्ता हैं। अब आप बोलिए।

श्री संजय सिंहः मान्यवर, लीडर ऑफ दि हाउस ने आपके सामने कहा है कि मेरी स्पीच में - मान्यवर, लीडर ऑफ दि हाउस की बात को मानते हुए मैं आपसे खुद अनुरोध कर रहा हूँ कि यदि कोई भी बात तथ्यों के परे हो, तो आप निश्चित रूप से उसको कार्यवाही से हटा दीजिएगा, यह मैं आपसे अनुरोध कर रहा हूँ।

MR. CHAIRMAN: Good.

श्री संजय सिंह: मान्यवर, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में 'अमृतकाल' की चर्चा की गयी। हमने 'अमृतकाल' देखा। हमने देखा कि किस तरह से विपक्ष के नेताओं को पकड़-पकड़ कर जेल में डाला गया। महाराष्ट्र में अनिल देशमुख जी को 14 महीने जेल में रखा गया और बाद में न्यायालय ने कह दिया कि सबूत नहीं है, इसलिए उनको जमानत मिल गई। संजय राउत जी को 103 दिन जेल में रखा गया, बाद में उनको जमानत मिल गई, क्योंकि उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं था।

मान्यवर, मुझे 6 महीने जेल में रखा गया और सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने मुझे जमानत दे दी।...(**व्यवधान**)... दिल्ली के मुख्य मंत्री...(**व्यवधान**)... मान्यवर, आप देख लीजिए, मैं आपके नियम का पालन कर रहा हूँ।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बोलते रहिए।

श्री संजय सिंहः मान्यवर, ईडी कोर्ट के सामने दिल्ली के मुख्य मंत्री के वकील जो दलील देते हैं, जो बहस करते हैं, जो अपना पक्ष रखते हैं, उसके आधार पर ईडी कोर्ट ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल पूरी तरीके से निर्दोष हैं और ईडी उनके खिलाफ बिल्कुल बायस होकर काम कर रही है, दुर्भावना से काम कर रही है और उनके खिलाफ मनी ट्रेल का कोई मामला नहीं है। यह फैसले में दर्ज है।

श्री सभापतिः एक सेकंड, एक सेकंड।

श्री संजय सिंहः मान्यवर, यह मैं आपके सामने इसलिए बोल पा रहा हूँ, क्योंकि यह कोर्ट का फैसला है और यह सार्वजनिक है।

OBSERVATIONS BY THE CHAIR

श्री सभापतिः माननीय सदस्यगण, अपने देश में व्यवस्था के तहत एक कानूनी प्रक्रिया है। उस कानूनी प्रक्रिया के तहत ही व्यक्ति ट्रायल फेस करता है, कई बार उसको जेल भेजा जाता है, कई बार उसको जमानत दी जाती है। जिसको जमानत दी जाती है, उसको बाद में सजा भी हो जाती है। जिसको जमानत नहीं दी जाती है।...(**व्यवधान**)... सुनिए...(**व्यवधान**)... Can't you keep silence? *..(Interruptions)..* Please. *..(Interruptions)..* प्लीज़ सुनिए।

जिसको जमानत नहीं दी जाती है, वह बरी हो जाता है। यह एक प्रक्रिया है। पर, आप जिस फैसले की चर्चा कर रहे हैं, वह फैसला *sub judice* है। उस फैसले पर रोक लगी हुई है। वह फैसला ऊपर की अदालत के अंदर निर्धारित होना है। उस परिस्थिति में आप उस फैसले को सही मान कर न्यायालय के ऊपर टिप्पणी कर रहे हैं। देश के एक न्यायालय ने अपना विवेक लगा कर उस फैसले को स्थगित कर दिया है। Okay. *..(Interruptions)..* Mr. Tiruchi Siva is a very experienced Member of this House. He has made things lighter now. He thinks I can say everything and anything myself or you can say it. No, Mr. Tiruchi Siva. Everything spoken in this House has to be sanctified. This cannot be, as I said, a ground for freefall of information. If someone wants to level an allegation against Mr. Sanjay Raut, his reputation is at stake. He has earned reputation in public life. I cannot allow that Member unless he satisfies me, unless it is sanctified. Similarly, that privilege is not without regulation. That privilege is a heavy responsibility. As a